दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 148
मुरादाबाद
(Friday)
19 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रधानमंत्री मोदी ने की नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात; शांति बहाली में समर्थन का वादा दोहराया

पिछले हफ्ते नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इस वजह से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पद से हटना पड़ा था। जेनरेनशन जेड या जेन जी समूह के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं के घरों, संसद सहित महत्वपूर्ण सरकारी भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग लगा दी थी। इसके बाद कार्की ने 12 सितंबर को अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री का पदभार संभाला था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट किया, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।%कार्की के कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद हुई बात यह बातचीत 8 सितंबर को हिंसक झड़पों और विरोध प्रदर्शनों की वजह से संसद भंग होने के बाद सुशीला कार्की की ओर से नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद हुई है।

इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से जेनरेशन जेड युवा कार्यकर्ताओं ने किया था। प्रदर्शन भ्रष्टाचार, जवाबदेही की कमी और राजनीतिक अभिजात वर्ग की कथित विफलता को लेकर बढ़ती निराशा से उपजे थे। आंदोलन तत्कालीन नेपाली सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के बाद शुरू हुआ था

नेपाल में प्रदर्शन के बाद बदले हालात नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश और अब पहली महिला प्रधानमंत्री कार्की को जेनरेशन जेड के नेतृत्व वाले आंदोलन का समर्थन प्राप्त है, जिसने पिछले कुछ दिनों में देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है।

वह 5 मार्च, 2026 तक इस पद पर रहेंगी, जिसके बाद इस पद के लिए नए चुनाव होंगे, जिनका चयन निर्वाचित संसद द्वारा किया जाएगा। बीते शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी नेपाल की 73 वर्षीय पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद बीते शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारियों ने सामूहिक रूप से अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में उनके नाम का समर्थन किया। भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने भी मुलाकात की थी इससे पहले मंगलवार को नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सिंह दरबार स्थित सुशीला कार्की से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा 'X' पर पोस्ट किए गए पोस्ट के अनुसार, बैठक के दौरान राजदूत श्रीवास्तव ने नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बधाई संदेश दिया। राजदूत श्रीवास्तव ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मैत्री और सहयोग के घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

चमोली को फिर जख्मः कुदरत का कहर, घर बहे, लोग लापता, आंखों में खौफ;10 तस्वीरों में नंदानगर की तबाही का मंजर

उत्तराखंड के चमोली के नंदानगर में बुधवार रात कुदरत का कहर टूटा। भीषण बारिश और बादल फटने से गांव तबाह हो गए। मकान मलबे में दब गए, लोग लापता हैं और आंखों में डर साफ नजर आता है। रेस्क्यू टीमें मलबे में जिंदगी तलाश रही हैं।उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र में बुधवार देर रात बादल फटने से भारी तबाही मच गई। एक ही रात में तीन गांवों में घर, गौशालाएं, और जिंदगियां मलबे में समा गईं। अब तक 12 लोगों के लापता होने की पुष्टि हो चुकी है, जबकि करीब 30 से अधिक भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। रेस्क्यू टीमें मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटी हैं। 200 से अधिक ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। घाट तहसील के नंदानगर क्षेत्र में बुधवार देर रात बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। आपदा में अब तक 12 लोगों के लापता होने की सूचना है। इसमें सबसे अधिक प्रभावित ग्राम कुंतरी लगा फाली है, जहां 8 लोग लापता हैं और 15 से 20 भवन व गौशालाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं। रात तीन बजे के करीब भारी बारिश के बीच लोगों के घरों पर मलबा आ गिरा।दो महिलाओं और एक बच्चे को पुलिस व डीडीआरएफ की टीमों ने मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। इन घायलों को नंदानगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। करीब 200 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, ग्राम कुंतरी लगा सरपाणी में भी दो लोग लापता हैं और दो भवन ध्वस्त हुए हैं। यहां भी रेस्क्यू टीमों ने 100 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला। ग्राम धुर्मा में मोक्ष नदी उफान पर आ गई, जिससे दो लोग लापता हैं और करीब 10 मकानों को नुकसान पहुंचा है।बचाव कार्यों में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी (गौचर 8वीं वाहिनी), डीडीआरएफ और राजस्व विभाग की टीमें जुटी हैं। लेकिन सड़कों के जगह-जगह बंद होने और भूस्खलन के कारण टीमों को घटनास्थल पर पहुंचने में देरी हो रही है। अधिकतर टीमें अब पैदल मार्ग से मौके पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिव आपदा प्रबंधन से चमोली की स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि लापता लोगों की खोज में कोई कोताही न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और सभी राहत शिविरों में रहने, खाने, इलाज और सुरक्षा की व्यवस्था की जाए

संक्षिप्त समाचार

सपा नेता आजम खां को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, क्वालिटी बार पर कब्जा मामले में जमानत मंजूर

सपा नेता और पूर्व मंत्री आजम खां को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बृहस्पतिवार को बड़ी राहत मिली। रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जा के मामले में दर्ज मुकदमे की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। यह मुकदमा 2021 में राजस्व निरीक्षक की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके साथ ही आजम को लगभग सभी मुकदमों में जमानत मिल गई है। अब वह जल्द बाहर आ सकते हैं। रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जे के मामला में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जेल में बंद सपा नेता व पूर्व मंत्री आजम खां की जमानत मंजूर कर ली है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया। जमानत अर्जी पर वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्ला और मोहम्मद खालिद ने बहस की थी। रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जे के मामले में आजम खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। 21 अगस्त को हाईकोर्ट ने सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। 21 नवंबर 2019 को क्वालिटी बार के मालिक गगन अरोड़ा की शिकायत पर तत्कालीन राजस्व निरीक्षक ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने जफर अली जाफरी, आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा व बेटे अब्दुल्ला आजम को नामजद किया था। इस मुकदमे में जमानत मिलने के बाद पूर्व मंत्री आजम खां के जेल से बाहर आने की संभावना बढ़ गई है।

प्रक्रिया हाईजैक कर वोट काटे जा रहे, निशाने पर दलित और OBC, राहुल ने ज्ञानेश कुमार को भी घेरा

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज यानी गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेता ने मतदाताओं के नाम काटे जाने को लेकर बड़े दावे किए।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने चुनावी धांधली के आरोपों को और धार दी। राहुल गांधी ने कहा, सबसे पहले, यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को बचा रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। वे उन्हें बचा रहे हैं, जिन्होंने वोट चोरी किया है। राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक में अलंद एक निर्वाचन क्षेत्र है। किसी ने 6018 वोटों को हटाने की कोशिश की। हमने पाया है कि महज 14 मिनट में 12 वोट डिलीट किए गए। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में अलंद में कुल कितने वोट हटाए गए। ये संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है, लेकिन कोई उन 6018 वोटों को हटाते हुए पकड़ा गया। यह संयोग से पकड़ा गया। हुआ यूं कि वहां के बूथ लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट हटा दिया गया है, तो उसने जांच की कि उसके चाचा का वोट किसने हटाया और उसने पाया कि वोट हटाने वाला एक पड़ोसी था। उसने अपने पड़ोसी से पूछा, लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने कोई वोट नहीं हटाया। न तो वोट हटाने वाले व्यक्ति को और न ही

व्यक्ति के जरिए नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके केंद्रीकृत तरीके से किया गया। कभी दाखिल ही नहीं किया। यह आवेदन एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके स्वचालित रूप से दाखिल किया गया। कर्नाटक के बाहर विभिन्न राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल अलंद में नंबरों को हटाने के लिए किया गया और यह कांग्रेस के मतदाताओं को निशाना बनाकर किया गया। %मैं यहां जो कर रहा हूं, वह मेरा काम

जिसका वोट हटाया गया था, उसे पता था। किसी और ताकत ने इस प्रक्रिया को हाईजैक कर लिया और वोट हटा दिया। वोटों को हटाने का काम किसी

राहुल गांधी ने कहा कि अलंद में मतदाताओं के नाम पर 6018 आवेदन दाखिल किए गए। जिन लोगों ने ये आवेदन दाखिल किए, उन्होंने वास्तव में इन्हें

नहीं यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत या किसी उच्चतर एजेंसी का रुख करेंगे तो राहुल गांधी ने कहा, सच कहूं तो, मैं यहां जो कर रहा हूं

वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं किए जा सकते, सभी आरोप बेबुनियाद, राहुल को चुनाव आयोग का जवाब

चुनाव आयोग ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से लगाए गए उन आरोपों को गलत और निराधार बताया, जिनमें कहा गया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को बचा रहे हैं।भारत के चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से हाल ही में संपन्न प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए मतदाताओं के नाम हटाने के आरोपों को गलत और निराधार बताया है। चुनाव आयोग ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि जनता की ओर से ऑनलाइन कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए चुनाव आयोग ने खुद एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।भारत के चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर भी राहुल के आरोपों का खंडन किया। निर्वाचन आयोग ने लिखा, लोकसभा के नेता राहुल गांधी की ओर से लगाए गए आरोप गलत और निराधार हैं। किसी भी वोट को जनता द्वारा ऑनलाइन नहीं हटाया जा सकता है, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी बदलाव या विलोपन नहीं हो सकता है। 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे। मामले की जांच के लिए ईसीआई के प्राधिकारी की ओर से स्वयं एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रिकॉर्ड के अनुसार, अलंद विधानसभा क्षेत्र 2018 में सुभाध गुट्टेदार (भाजपा) और 2023 में बीआर पाटिल (कांग्रेस) ने जीता था।

मेरे पास कोई नैतिक अधिकार नहीं कि इस पर टिप्पणी करूं, 75 साल की उम्र वाले सवाल पर बोले शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि वे 85 साल की उम्र में भी सक्रिय हैं, इसलिए उनके पास यह नैतिक अधिकार नहीं कि वे 75 साल पार नेताओं पर टिप्पणी करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष के होने पर उठी राजनीतिक बहस में पवार ने भाजपा की पुरानी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा नेता खुद अब इस पर साफ इनकार कर रहे हैं।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि वे 85 वर्ष की उम्र में भी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और इसलिए उनके पास यह नैतिक अधिकार नहीं है कि वे यह तय करें कि 75 साल से अधिक उम्र के नेताओं को सार्वजनिक जीवन से पीछे हटना चाहिए या नहीं। पवार ने यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाल ही में 75 वर्ष के होने के बाद उठे राजनीतिक विमर्श के बीच दिया। पत्रकारों ने जब पवार से सवाल पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद सार्वजनिक जीवन से पीछे हट जाना चाहिए, जैसे कभी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी ने किया था, तब उन्होंने साफ कहा कि भाजपा में अब लोग कहते हैं कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि 75 से ज्यादा उम्र वाले नेताओं को पीछे हटना चाहिए। मैं खुद 85 का

हूं, तो मेरे पास कोई नैतिक अधिकार नहीं कि इस पर टिप्पणी करूं।खुद की सक्रियता का उदाहरण- पवार ने अपनी उम्र का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने खुद 85 साल की उम्र में भी काम करना नहीं छोड़ा है। उनका कहना था कि जब वे खुद इस उम्र में सक्रिय हैं तो दूसरों को लेकर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। पवार का यह बयान सीधे तौर पर उस चर्चा से जुड़ा है जिसमें यह सवाल उठ रहा है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी भी भाजपा की पुरानी परंपरा के हिसाब से 75 की उम्र के बाद सक्रिय राजनीति छोड़ेंगे।भाजपा के भीतर उठे सवाल पिछले कुछ समय में भाजपा के भीतर और बाहर यह चर्चा चली कि पार्टी ने पहले एक '75 वर्ष की सीमा' तय की थी, जिसके तहत वरिष्ठ नेताओं को सक्रिय भूमिका से अलग होना पड़ता था। इसी नीति के चलते लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को किनारे किया गया था। हालांकि अब भाजपा के नेता दावा कर रहे हैं कि ऐसा कोई लिखित नियम पार्टी ने कभी नहीं बनाया। पवार ने इसी पहलू का जिक्र किया और कहा कि भाजपा के लोग खुद इस बात से इनकार करते हैं। किसानों के मुद्दे पर चिंता- पत्रकारों से बातचीत के दौरान पवार ने किसानों की समस्याओं का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के किसानों को इस समय भारी बरसात और प्राकृतिक आपदाओं की वजह से फसलों में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। सरकार को किसानों को राहत देने के लिए अधिक समय और संसाधन जुटाने की जरूरत है। उनका कहना था कि अगर किसानों की मुश्किलें जल्द दूर नहीं की गईं तो ग्रामीण इलाकों की स्थिति और खराब हो सकती है।राजनीतिक विमर्श और पवार का रुख शरद पवार का यह बयान उस समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन हाल ही में मनाया गया और वे 75 वर्ष के हो गए। इस मौके पर विपक्ष ने यह सवाल उठाया कि क्या भाजपा अपनी ही नीति पर अडिग रहेगी या मोदी के लिए अलग नियम होंगे। हालांकि पवार ने इस विवाद से खुद को अलग करते हुए कहा कि उनकी उम्र उन्हें इस विषय पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं देती। उन्होंने साफ किया कि राजनीति में उम्र से ज्यादा काम करने की क्षमता और जनता की सेवा करने का जज्बा मायने रखता है।

संपादकीय Editorial

Who will drive the intruders out?

In 2016, Union Minister Kiren Rijiju had told the Parliament that about 2 crore Bangladeshis are living illegally in India. This is equal to the entire population of Australia. In 2004, the then UPA government's Minister of State for Home Affairs, Shriprakash Jaiswal had revealed that a total of 1 crore 20 lakh 53,950 illegal Bangladeshi immigrants are present in 17 states and union territories of the country. These figures were only of Bangladeshi intruders, while people have been entering India illegally from Myanmar, Nepal and other countries as well. Now in 2025, all these figures would have increased a lot! Even if we assume the basic figure to be 2 crore, then why are the intruders not being driven out of the country in that proportion? If we also worry about their human rights, then after the coming of the Modi government in 2014, on an average, the number of intruders sent back to their native country every year is very low. The pace is very slow. In fact, we are neither in favour of comparison with the actions of UPA's Manmohan government nor do we consider the campaigns of America, Britain and Europe to expel illegal immigrants from the country as examples. If Prime Minister Modi announces 'National Demography Mission' from the ramparts of Red Fort on 'Independence Day' and blames Congress for infiltration in public meetings in Assam, Bengal and Bihar, calling Congress 'protector of infiltrators', then this is not a logical solution to infiltration. This is pure politics. The Prime Minister wants to intensify polarization by doing Hindu-Muslim politics through 'nationalism versus infiltrators'. Elections are to be held in Assam and West Bengal in 2026. Elections in Bihar will be completed in just two months. Therefore, the roar against infiltrators is understandable. Of course, the demographic balance in the border districts of the country has deteriorated in many places. In many places, Muslims have become the majority and Hindus are becoming a minority. These equations are changing due to more than 50 lakh Bangladeshi and Rohingya infiltrators in Assam and more than 57 lakh in Bengal. As a result, conditions for communal riots have also been created. The Calcutta High Court's verdict can be read on the scenario of anti-Hindu riots, violent attacks, houses being destroyed in Murshidabad and Malda of Bengal. The question is what happened to the results of the NRC exercise done by the government in Assam? Why was that process suddenly stopped? Prime Minister Modi considers this demographic change a sensitive threat to national security. Our youth are losing their share of resources and employment. Women's dignity is being cheated and played with. Certainly, this seems to be a huge national problem, so it should be the primary concern, the basic concern of the Prime Minister and his government. What can the common man do in this? The common man cannot stop the imbalance of population and majority. What is the government for? The Prime Minister has all the agencies, information, police, security forces, resources, everything available, but still the Prime Minister does not inform the people of the country as to why the number of annual expulsions of infiltrators during his 11-year tenure has come down to 51? Even the figure of 300-400 is insufficient. We are not asking political questions to the Prime Minister like the opposition. We are very serious on the issue of infiltration. They can also spoil the image and balance of India's democracy. The Prime Minister should also tell the country how the mission will work? What will be its mandate? How legal will its recommendations be, and hence will they prove to be effective? If most of the infiltrators have government documents,

Take care of the elderly who are victims of neglect, Shravan Kumar is now disappearing from Indian tradition

Financial problems also increase in old age. Government servants can survive on pension but it is difficult to survive on old age pension. There are very few old age homes and day care centers in our country and most of the ones that are there are in a bad condition. The existing laws related to the protection of the elderly should be strictly implemented. There should be provision for strict punishment for those who do not follow them. Last month, the news of an elderly couple became very popular. This incident was from Mainpuri district of Uttar Pradesh, in which the elderly, troubled by the neglect and harassment of the son and daughter-in-law, jumped into the canal. To save her husband, the wife also jumped into the canal and swam for nine kilometers holding her husband's hand, but could not save him. A few days after this incident, news came from Jashpur in Chhattisgarh that a son chopped his mother into pieces with an axe. According to another news, the father, fed up with the insult and greed of his daughters, donated property worth four crore rupees to a temple. Many such incidents are happening in the society every day. Even today, Shravan Kumar is considered an ideal in Indian society. Parents wish that their son should be like Shravan Kumar, but Shravan Kumar seems to be disappearing from the Indian tradition. The poor condition of the elderly and the increasing number of old age homes are direct examples of this. This trend is increasing with time. Many laws have been made in India for the service and protection of the elderly. The central government implemented the Senior Citizens Maintenance Act for senior citizens in 2007. According to the Sample Registration System Report by the Registrar General of India, the fertility rate in the country has decreased, due to which the population of 0-14 years is decreasing and the population of people above 60 years of age is increasing at the rate of 10 percent. In view of this increasing population and the problems of the lives of the elderly, the Kerala government formed the Old Age Commission, which is a commendable step, but unfortunately all the facilities, rules and laws are limited to papers only. In the last few years, different types of cases related to the elderly have come to light. Most of these elderly were widows or widowers and were alone. God had taken away the support of the husband or wife and fate had taken away the support of the children. The children who were brought up for old age, have made it difficult for them to live in old age and that too for a little property. Unfortunately, in such incidents, when the elderly go to ask for help as per the rules, they do not get any help. In many cases, the elderly first complained to the One Stop Centre. There, dates started being given on the lines of the court. Both parties were called on the date. Tired of this, complaints were made to the Chief Minister's Grievance Cell, SDO, Collector, SP, DGP, Commissioner, Human Rights Commission, DLSA and helpline number. Information was also sent to the Directorate of Social Security, from where the District Magistrate was instructed to take action and send a report, but everything was in vain. The surprising thing is that many officers and policemen also do not know about the Senior Citizen Maintenance Act. One officer only knew that Rs. 10,000 is given as maintenance. Whereas under this, there is a provision for punishing the children, imposing fines, evicting them from the property and taking back the transferred property on complaint of misbehavior by parents, but it is hardly used. Many elderly people get broken by running around officers and police stations amid physical and financial inability and start living in depression. We should not forget that these are the same elderly people, whose stories laid the foundation of values ??in children, whose lullabies took them to fairyland in their pleasant sleep. When parents scolded, grandparents were the only refuge. The concept of nuclear family took away the support of elders from children and the roof from the elders. In the hustle and bustle, children are not able to give time to the elders, due to which loneliness and depression is increasing in them. Along with this, violent incidents are also increasing. Parents do not want to complain against their children. Even if they do so, no action is taken until some untoward incident occurs. The attitude of the administration breaks the morale of the elderly. Ultimately they are forced to go to old age homes or commit suicide. Financial problems also increase in old age. Government servants can survive on pension, but it is difficult to survive on old age pension. There are very few old age homes and day care centers in our country and most of the ones that are there are in a bad condition. The existing laws related to the protection of the elderly should be strictly implemented. There should be provision for strict punishment for those who do not follow them. Fast track courts should be formed for the elderly and they should get home service. Apart from this, there should be an initiative to protect the rights of the elderly instead of insisting on sending them to old age homes. Along with all this, it is also very important for the unconscious society to wake up.

Take care of the elderly who are victims of neglect, Shravan Kumar is now disappearing from Indian tradition

Financial problems also increase in old age. Government servants can survive on pension but it is difficult to survive on old age pension. There are very few old age homes and day care centers in our country and most of the ones that are there are in a bad condition. The existing laws related to the protection of the elderly should be strictly implemented. There should be provision for strict punishment for those who do not follow them. Last month, the news of an elderly couple became very popular. This incident was from Mainpuri district of Uttar Pradesh, in which the elderly, troubled by the neglect and harassment of the son and daughter-in-law, jumped into the canal. To save her husband, the wife also jumped into the canal and swam for nine kilometers holding her husband's hand, but could not save him. A few days after this incident, news came from Jashpur in Chhattisgarh that a son chopped his mother into pieces with an axe. According to another news, the father, fed up with the insult and greed of his daughters, donated property worth four crore rupees to a temple. Many such incidents are happening in the society every day.

Even today, Shravan Kumar is considered an ideal in Indian society. Parents wish that their son should be like Shravan Kumar, but Shravan Kumar seems to be disappearing from the Indian tradition. The poor condition of the elderly and the increasing number of old age homes are direct examples of this. This trend is increasing with time. Many laws have been made in India for the service and protection of the elderly. The central government implemented the Senior Citizens Maintenance Act for senior citizens in 2007. According to the Sample Registration System Report by the Registrar General of India, the fertility rate in the country has decreased, due to which the population of 0-14 years is decreasing and the population of people above 60 years of age is increasing at the rate of 10 percent. In view of this increasing population and the problems of the lives of the elderly, the Kerala government formed the Old Age Commission, which is a commendable step, but unfortunately all the facilities, rules and laws are limited to papers only. In the last few years, different types of cases related to the elderly have come to light.

Most of these elderly were widows or widowers and were alone. God had taken away the support of the husband or wife and fate had taken away the support of the children. The children who were brought up for old age, have made it difficult for them to live in old age and that too for a little property. Unfortunately, in such incidents, when the elderly go to ask for help as per the rules, they do not get any help. In many cases, the elderly first complained to the One Stop Centre. There, dates started being given on the lines of the court. Both parties were called on the date. Tired of this, complaints were made to the Chief Minister's Grievance Cell, SDO, Collector, SP, DGP, Commissioner, Human Rights Commission, DLSA and helpline number. Information was also sent to the Directorate of Social Security, from where the District Magistrate was instructed to take action and send a report, but everything was in vain. The surprising thing is that many officers and policemen also do not know about the Senior Citizen Maintenance Act. One officer only knew that maintenance of Rs 10,000 is given. Whereas under this, there is a provision for punishing the children, imposing fines, evicting them from the property and taking back the transferred property on complaint of misbehavior by parents, but it is hardly used. Many elderly people get broken by running around officers and police stations amid physical and financial inability and start living in depression. We should not forget that these are the same elderly people, whose stories laid the foundation of values ??in children, whose lullabies took them to fairyland in their pleasant sleep. When parents scolded, grandparents were the only refuge. The concept of nuclear family took away the support of elders from children and the roof from the elders. In the hustle and bustle, children are not able to give time to the elders, due to which loneliness and depression is increasing in them. Along with this, violent incidents are also increasing. Parents do not want to complain against their children. Even if they do so, no action is taken until some untoward incident occurs. The attitude of the administration breaks the morale of the elderly. Ultimately they are forced to go to old age homes or commit suicide. Financial problems also increase in old age. Government servants can survive on pension, but it is difficult to survive on old age pension. There are very few old age homes and day care centers in our country and most of the ones that are there are in a bad condition. The existing laws related to the protection of the elderly should be strictly implemented. There should be provision for strict punishment for those who do not follow them. Fast track courts should be formed for the elderly and they should get home service. Apart from this, there should be an initiative to protect the rights of the elderly instead of insisting on sending them to old age homes. Along with all this, it is also very important for the unconscious society to wake up.

मुंडिया जैन में हर ओर छाया मातम: दंपती, बहू समेत छह लोगों की चिताएं एक साथ जलीं... हर आंख हुई नम; उमड़ा हुजूम

बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुलिस प्रशासन के अधिकारी सभी छह मजदूरों के शव विशेष वाहन से लेकर मुंडिया जैन गांव पहुंचे। उससे पहले ही मजदूरों के घरों के बाहर भारी भीड़ जमा हो

गई थी। हरचरन, उनकी पत्नी सोनवती और बहू रीना के शव घर के आंगन में एक ही लाइन में रखे हुए थे।मुंडिया जैन गांव में बुधवार सुबह 10 बजे दंपती, बहू समेत छह लोगों की चिताएं एक साथ जलीं तो हर आंख नम हो गई। इस दौरान बारिश भी हुई लेकिन श्मशान से भीड़ कम नहीं हुई। बड़ी संख्या में लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए।देहरादून में मंगलवार सुबह बादल फटने से आसन नदी में बाढ़ आ जाने और पानी के तेज बहाव में ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठे 14 मजदूर बह गए थे। इनमें मुंडिया जैन गांव निवासी हरचरन, मदन, नरेश, सोमवती, रीना और किरन की मौत हो गई थी जबकि उनके साथ पानी में बहे तीन मजदूर राजकुमार, होराम और संदरी अभी लापता हैं।बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुलिस प्रशासन के अधिकारी सभी छह मजदूरों के शव विशेष वाहन से लेकर मुंडिया जैन गांव पहुंचे। उससे पहले ही मजदूरों के घरों के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई थी। हरचरन, उनकी पत्नी सोनवती और बहू रीना के शव घर के आंगन में एक ही लाइन में रखे हुए थे। तीनों के शव के पास बैठीं रिश्तेदार महिलाओं के आंसू रुक नहीं पा रहे थे। जैसे ही ग्रामीणों ने शवों के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू की तभी बारिश होने लगी। सबसे पहले ग्रामीण मदन सैनी के शव को लेकर श्मशान की ओर पहुंचे। बाद में रीना और किरन के शव को उनके घर से लेकर श्मशान लाया गया।मुंडिया जैन की आबादी के बीच में स्थित हरचरन के घर से जब तीनों शव अंतिम संस्कार के लिए एक साथ उठाए गए तब सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। हरचरन के बेटे और अन्य रिश्तेदारों को ग्रामीण ढाढ़स बंधाते नजर आए। दस बजे तक श्मशान में सभी छह शव पहुंचाए गए तब चारों तरफ से लोगों की भारी भीड़ पहुंच गई। एक साथ छह चिताएं चलीं तो हर आंख नम हो गईं। लोग मृतकों के परिजनों को शमशान घाट तक सहारा देते नजर आए।घायल मजदूर अमरपाल को मुरादाबाद के अस्पताल में कराया भर्ती मुंडिया जैन गांव निवासी मजदूर अमरपाल मंगलवार सुबह देहरादून की आसन नदी में आई बाढ़ में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह जाने के दौरान घायल हो गया था। अमरपाल समेत उसके गांव मुंडिया जैन के कुल 11 लोग नदी के तेज बहाव में बह गए थे। छह की मौत हो जाने के अलावा तीन बह गए थे और दो पेड़ का सहारा मिल जाने पर बच गए थे। बचे मजदूरों में अमरपाल और अमन शामिल है। इस दौरान अमरपाल को काफी चोटें आई थीं। बुधवार सुबह घायल अमरपाल को उसके परिजन देहरादून से मुंडिया जैन गांव ले आए थे। यहां एसडीएम के निर्देश पर सीएचसी बिलारी के कित्साधीक्षक डा. राजपाल सिंह एम्बुलेंस लेकर मुंडिया जैन गांव पहुंचे। यहां से मजदूर अमरपाल को अपने साथ ले जाकर मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सीएमओ और डिप्टी सीएमओ भी मजदूर का हाल लेने अस्पताल पहुंचे।

मुरादाबाद से हवाई सेवा बंद, कब शुरू होगी पता नहीं, एयरपोर्ट विस्तार के लिए 500 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण

मुरादाबाद से लखनऊ के लिए शुरू की गई हवाई सेवा ठप है। इसका संचालन कब से होगा इसकी किसी को जानकारी नहीं है। उधर, एयरपोर्ट के विस्तार के लिए करीब 500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करने की तैयारी की जा रही है। मुरादाबाद से हवाई सफर की बात हवा-हवाई साबित हो रही है। एयरपोर्ट शुरू होने के बावजूद नवंबर 2024 से फ्लाइट का संचालन बंद है। इसे जुलाई 2025 में शुरू किया जाना था लेकिन अब एयरपोर्ट का विस्तार होने से पहले उड़ानें मुश्किल हैं। निजी कंपनी के विमान नहीं है और सर्दियों में कोहरे के कारण रनवे पर लैंडिंग नहीं हो सकती। पिछले साल कोहरे का हवाला

देकर फ्लाइट बंद की गई थीं। रनवे पर अत्याधुनिक लाइटों के अभाव में विमानों की लैंडिंग नहीं हो पा रही थी। मार्च 2025 में दोबारा फ्लाइट शुरू का दावा भी फुस्स रहा। इसके बाद लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर रनवे विस्तार के कारण जुलाई तक ब्रेक लगा।अब जुलाई को खत्म हुए भी 48 दिन बीत चुके हैं लेकिन विमानन सेवा प्रदाता कंपनी और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया फ्लाइट चालू होने की तिथि नहीं बता पा रहे हैं। मुरादाबाद से सिर्फ 19 सीटर विमान का संचालन लखनऊ के लिए हो रहा था। लोगों की डिमांड भी लगातार एएआई को मिली लेकिन कंपनी के पास जहाजों की कमी और रनवे का अत्याधुनिक न होना लोगों के लिए लंबे इंतजार का सबब बन रहा है। एयरपोर्ट पर तैनात एएआई के सलाहकार कृपाल सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तार के लिए करीब 500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। फिलहाल उड़ान शुरू करने का कोई अपडेट नहीं है। हवाई अड्डे पर मनाया गया यात्री सेवा दिवस - हवाई अड्डे पर बुधवार को यात्री सेवा दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। कर्मचारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंढ़ापांडे में रक्तदान शिविर में भागीदारी की। विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया, उन्हें पुरस्कार भी दिए गए। विद्यार्थियों को एयरपोर्ट का भ्रमण कराया गया। पौधरोपण किया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर अमरजीत सिंह ने कहा कि हवाई अड्डा प्रशासन यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। समाज और पर्यावरण के लिए जिम्मेदारी निभाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस मौके पर सीएनएस कंपनी के प्रबंधक अनुराग सिंह, सहायक प्रबंधक परिचालन राजीव कुमार, अजय कुमार सिंह, कृपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

संभल में तैनात अनुज चौधरी फिरोजाबाद में संभालेंगे जिम्मेदारी, हिंसा के बाद आए थे चर्चा में

संभल में तैनात एएसपी राजेश श्रीवास्तव और अनुज चौधरी का तबादला कर दिया गया है। हिंसा के बाद चर्चा में आए चौधरी को फिरोजाबाद भेजा गया है। चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी निभा रहे चौधरी का पिछले दिनों ही एएसपी के पद पर प्रमोशन हुआ था।संभल जिले के एएसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव और चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी संभाल रहे एएसपी अनुज चौधरी का तबादला हो गया है। बुधवार को शासन की ओर से आदेश जारी किया गया। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान चर्चा में आए संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी का पिछले दिनों ही एएसपी के पद पर प्रमोशन हुआ था। एसपी ने चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी सौंपी हुई थी। अब उनको शासन ने जिला फिरोजाबाद में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) की जिम्मेदारी दी है। राजेश कुमार श्रीवास्तव सीतापुर में केंद्रीय आयुध भंडार के एएसपी बनाए गए हैं। कुलदीप सिंह को संभल एएसपी (उत्तरी) कई पुलिसकर्मियों पर बवाल के दौरान लोगों की जान गई थी। लेकिन एसआईटी शारिक साठा के गुर्गों ने चलाई थी। जिसमें मामले दर्ज किए गए थे। पांचवें मृतक के खाक कर दिया था। इस बवाल के बाद कमेटी की बैठक के दौरान उन्होंने बयान होली एक बार मनाई जाती है। इसलिए में रहे। इस बयान को लेकर भी राजनीतिक एडिशनल एसपी व 13 डिप्टी एसपी के पीपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया, एसपी बने करीब डेढ़ दर्जन अधिकारियों अनुज कुमार चौधरी को एएसपी रैंक में गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा अनुराग सिंह

प्रयागराज कमिश्नरेट के अपर पुलिस उपायुक्त की कमान शासन ने दी है।अनुज चौधरी समेत गोली चलाने का आरोप लगा था, जिसमें पांच की छानबीन में स्पष्ट हुआ कि गोली भीड़ से ही पांच लोगों की जान गई और चार हत्या के परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के सुपुर्द ए काफी चर्चा में रहे थे। संभल कोतवाली में पीस दिया था कि साल में 52 जुमे आते हैं और जिन लोगों को रंग से परहेज है वह अपने घरों गलियारों में तरह-तरह से चर्चा हुई थी। 43 तबादले डीजीपी मुख्यालय ने बुधवार को 56 जिसमें हाल ही में डिप्टी एसपी से एडिशनल को नई तैनाती प्रदान की है। संभल में तैनात प्रोन्नत होने के बाद फिरोजाबाद भेजा गया है। को रामपुर भेजा गया है। डीजीपी मुख्यालय की सोशल मीडिया सेल में तैनात संतोष कुमार द्वितीय को भी प्रोन्नत होने के बाद गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा बनाया गया है। आदेश के मुताबिक झांसी के एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह को अमेठी, डीजीपी मुख्यालय की स्थापना शाखा में तैनात रंजन सिंह को डीजीपी मुख्यालय में एएसपी क्राइम, बरेली में एएसपी एलआईयू गोपी नाथ सोनी को लखनऊ कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, एलआईयू अयोध्या में तैनात राम अर्ज को पीटीएस जालौन, सीआईडी मुख्यालय में तैनात विशाल यादव को लॉजिस्टिक मुख्यालय, नोएडा कमिश्नरेट में तैनात मनीष कुमार मिश्रा को मिर्जापुर में नक्सल ऑपरेशन, मुरादाबाद स्थित 9वीं वाहिनी पीएसी में तैनात बंशराज सिंह यादव को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है। प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात कुलदीप सिंह प्रथम को संभल में एएसपी उत्तरी, अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी में तैनात राजकुमार द्वितीय को 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, खीरी में एएसपी पश्चिमी प्रकाश कुमार को बिजनौर में एएसपी ग्रामीण, प्रयागराज पीएसी में तैनात अनित कुमार को 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, सीआईडी गोरखपुर की सेक्टर ऑफिसर रचना मिश्रा को पीटीएस गोरखपुर, वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात सुशील कुमार गंगा प्रसाद को कासगंज, संभल में एएसपी उत्तरी राजेश कुमार श्रीवास्तव को केंद्रीय आयुध भंडार में तैनाती दी गई है। , मेरठ में एएसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा को पुलिस मुख्यालय, आगरा कमिश्नरेट में एएसपी ट्रैफिक अमिता सिंह को यूपी 112 मुख्यालय, साइबर क्राइम मुख्यालय में तैनात श्वेताभ पांडेय को ईओडब्ल्यू मुख्यालय, लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पंकज कुमार सिंह को 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़, कासगंज में तैनात राजेश कुमार भारतीय को पीटीसी सीतापुर, भर्ती बोर्ड में तैनात मोनिका चड्ढा को 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़, यूपीपीसीएल में तैनात अंकिता सिंह को भर्ती बोर्ड, सोनभद्र पीएसी में तैनात विजय आनंद को प्रयागराज कमिश्नरेट और प्रयागराज कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त जंग बहादुर यादव को वाराणसी कमिश्नरेट भेजा गया है। प्रोन्नत होने वालों को मिली तैनाती सोनभद्र स्थित 48वीं वाहिनी पीएसी में तैनात विजय प्रताप यादव-प्रथम को वहीं उपसेनानायक बना दिया गया है। एससीआरबी में तैनात शीतांशु कुमार को पीएसी मुख्यालय, डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध अभिषेक यादव को अयोध्या में 8वीं वाहिनी एसएसएफ, एटा में तैनात अमित कुमार राय को खीरी में एएसपी पश्चिमी, आगरा कमिश्नरेट में तैनात आनंद कुमार पांडेय को देवरिया में एएसपी उत्तरी बनाकर भेजा गया है। एटीएस में तैनात अभिषेक सिंह को एएसपी बना दिया गया है। कानपुर स्थित केंद्रीय वस्त्र भंडार में तैनात प्रभात कुमार द्वितीय को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है। श्यामकांत को बलिया की जगह बस्ती और बृजनंदन राय को बलरामपुर की जगह प्रतापगढ़ में एएसपी बनाकर भेजा गया है। एसटीएफ में तैनात संजीव कुमार दीक्षित को एएसपी बना दिया गया है। फतेहपुर में तैनात कृष्ण गोपाल सिंह को बिजनौर में एएसपी सिटी बनाया गया है। सीतापुर में तैनात दिनेश कुमार शुक्ला को बलिया में एएसपी उत्तरी बनाया गया है। कासगंज में तैनात संतोष कुमार तृतीय को नोएडा में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। पीटीसी सीतापुर में तैनात राजकुमार पांडेय को गोरखपुर में एएसपी ट्रैफिक बनाया गया है। रेलवे झांसी में तैनात सोहराब आलम को केंद्रीय वस्त्र भंडार भेजा गया है। एलआईयू मेरठ में तैनात प्रीति सिंह को झांसी में एएसपी सिटी बनाया गया है। नोएडा कमिश्नरेट में तैनात बाबा साहब वीर कुमार को वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। 13 डिप्टी एसपी इधर से उधर इसके अलावा 13 डिप्टी एसपी का भी तबादला किया गया है। गोरखपुर पीटीएस में तैनात प्रिता को आगरा कमिश्नरेट भेजा गया है। इसी तरह पंकज लवानिया को प्रयागराज कमिश्नरेट से मेरठ और वरुण कुमार को मुरादाबाद भेजा गया है। शैलेंद्र सिंह को एलआईयू अयोध्या से आगरा कमिश्नरेट भेजा गया है। कुंभ मेला में तैनात रामकृष्ण चतुर्वेदी को सुल्तानपुर, आभा सिंह को देवरिया से गोरखपुर, अब्दुल सलाम खान को सुल्तानपुर से प्रयागराज कमिश्नरेट, प्रशांत सिंह को सुल्तानपुर से गोरखपुर, सैयद अरीब अहमद को आगरा कमिश्नरेट से लखनऊ कमिश्नरेट, संजय कुमार जायसवाल को मेरठ से चित्रकूट, श्वेता कुमारी को कानपुर कमिश्नरेट से गाजियाबाद, अजय कुमार सिंह को गाजियाबाद से अयोध्या और हेमंत कुमार को आगरा कमिश्नरेट से शामली भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों का कारोबार..कमाई लाखों में दिखाई, चार जिलों में राज्यकर विभाग का छापा, ग्राहकों की एंट्री तक जांची

राज्यकर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा ने मुरादाबाद, बरेली, रामपुर और बिजनौर में नौ ब्यूटी पार्लरों व मेकअप सामान विक्रेताओं पर छापेमारी की। इनमें से छह स्थान मुरादाबाद के हैं। आरोप है कि करोड़ों का कारोबार होने के बावजूद कारोबारी लाखों में ही आय दिखाते थे।करोड़ों का कारोबार करने के बावजूद लाखों में कमाई दिखाने वाले ब्यूटी पार्लरों पर राज्यकर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा की ओर से छापे मारे गए। मुरादाबाद, बरेली, रामपुर और बिजनौर में नौ स्थानों पर कार्रवाई हुई। इसमें मुरादाबाद शहर के छह स्थान शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई का बृहस्पतिवार तक आकलन हो पाएगा। शहर के कई ब्यूटी पार्लरों पर ग्राहकों से पैकेज के नाम पर मोटी कमाई की जाती है। इसके अलावा मेकअप सामान विक्रेता भी ब्रांडेड सामान बताकर अच्छी बिक्री करते हैं।कई ब्यूटी पार्लर पर युवक-युवतियों को प्रशिक्षण देने के नाम पर लाखों की फीस वसूली जा रही है। करोड़ों के कारोबार के बावजूद ब्यूटी पार्लर संचालक और मेकअप सामान विक्रेता आय लाखों में ही दिखाते हैं। पिछले दो महीने से राज्यकर के अधिकारी इनकी निगरानी कर रहे थे। वहां पर आने वाले ग्राहकों और बिलिंग के आधार पर उन्होंने कारोबार का आकलन किया और फिर बुधवार को छापे मारे। इसमें रामगंगा विहार सहित कांठ रोड पर तीन जगह, दिल्ली रोड, गांधी नगर और बुद्धि विहार में कार्रवाई हुई। ग्राहकों की एंट्री से लेकर बिल तक जांचे- इसके अलावा बिजनौर, बरेली और रामपुर में भी कार्रवाई हुई। इस कार्रवाई के लिए राज्यकर विभाग के 32 अधिकारी लगाए गए थे। अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान ग्राहकों की एंट्री से लेकर बिलिंग तक की बारीकी से जांच की। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई में आय और कर जमा करने में बड़ा अंतर देखने को मिला है। अफसरों ने बताया कि इन कारोबारियों के यहां पर जीएसटी चोरी की जांच की जा रही है। सभी के ई वे बिल और आईटीसी का ब्योरा इकट्ठा किया जा रहा है। आशंका है कि कारोबारियों ने करोड़ों की जीएसटी चोरी की है। देर रात तक कार्रवाई जारी रहने की वजह से पूरा विवरण नहीं मिल सका है। नौ जगहों पर कार्रवाई हुई है। बुधवार को पूरा विवरण नहीं मिल सका है, क्योंकि जांच जारी है। बृहस्पतिवार को जांच करने के बाद जीएसटी चोरी की जानकारी मिल पाएगी। - अशोक कुमार सिंह, अपर आयुक्त, ग्रेड वन, राज्य कर विभाग

तमंचे की नोक पर किया युवती का अपहरण, एसएसपी के आदेश पर FIR

मुरादाबाद- भोजपुर थाना क्षेत्र के नेकपुर गांव निवासी युवक ने सिविल लाइंस क्षेत्र से बेटी के अपहरण की शिकायत एसएसपी सतपाल अंतिल से की है। शिकायत पर एसएसपी ने तत्काल एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए, जिसके बाद सिविल लाइंस थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। थाना भोजपुर क्षेत्र गांव नेकपुर निवासी युवक ने एसएसपी सतपाल अंतिल को शिकायत पत्र देकर बताया कि उसकी बेटी सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक निवासी उसकी बहन के घर रहती है। पीड़ित पिता के अनुसार बीती 15 सितंबर के उसकी बहन ने उसे फोन पर जानकारी दी कि उसकी बेटी को गांव में रहने वाला मनेश कश्यप तमंचे के बल पर जबरदस्ती उठाकर ले गया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी मनेश दबंग व बदमाश किस्म का व्यक्ति है। पीड़ित के अनुसार वह उसी समय थाने में रिपोर्ट लिखवाने गया था, लेकिन पुलिस ने उसकी सुनवाई नहीं है। जिसके बाद उसने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी सतपाल अंतिल ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को एफआईआर के आदेश दिए। इस संबंध में सिविल लाइंस थाना के प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी व उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डॉक्टर ने प्रेमिका को इंजेक्शन लगाकर किया बेहोश निर्वस्त्र कर हाईवे पर फेंका

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली में एक शादीशुदा डॉक्टर ने अपनी प्रेमिका के साथ ऐसी बर्बरता की, जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। डॉक्टर ने युवती को तीन इंजेक्शन लगाकर बेहोश किया, फिर चेहरे और शरीर पर धारदार हथियार से कई गहरे प्रहार किए और निर्वस्त्र कर दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर फेंक दिया। उसकी योजना थी कि युवती किसी वाहन से कुचलकर मारी जाएगी और यह सड़क हादसा लगेगा। लेकिन किस्मत से समय रहते ग्रामीणों ने लहूलुहान युवती को देखा और पुलिस को सूचना दे दी। बदायूं निवासी युवती ने पांच साल पहले बरेली के मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद वह बीसलपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी करने लगी। वहीं उसकी मुलाकात एक बीएएमएस डॉक्टर से हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर युवती को अपने जाल में फंसा लिया। बाद में पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है। इसी वजह से दोनों में कलह शुरू हो गई थी।

दीपू कश्यप एवं अंजलि ने स्टेट एथलेटिक चैंपियनशिप में पदक जीतकर बरेली का किया नाम रोशन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में पिछले 26 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र एवं जरूरतमंद बच्चों को फ्री कोचिंग दे रहे अंतर्राष्ट्रीय एथलीट एवं एन.आई.एस. कोच अजय कश्यप, उनके प्रशिक्षण में दीपू कश्यप और अंजलि सिंह ने स्टेट एथलेटिक चैंपियनशिप में पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के क्वालीफाई मार्क को पार किया है। 14 से 16 सितंबर तक प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में आयोजित स्टेट एथलेटिक चैंपियनशिप में पदक जीत का बरेली शहर का नाम रोशन किया है। 20 वर्ष आयु वर्ग में 400 मी बालिका बाधा दौड़ में दीपू कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वही अंडर 23 वर्ष आयु वर्ग में अंजली सिंह ने 400 मीटर बालिका बाधा दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। दोनों ही खिलाड़ियों की पारिवारिक आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक है। अंजलि के पिता एक ड्राइवर हैं और दीपू के पिता हलवाई का काम करते हैं। दोनों खिलाड़ियों का सपना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर अपने देश का और कोच का नाम रोशन करें। इसके लिए वह नियमित रूप से पिछले 4 साल से बहुत अनुभवी रेलवे कोच अजय कश्यप से रेलवे स्पोर्ट्स स्टेडियम, रोड संख्या 2, इज्जतनगर पर निःशुल्क प्रशिक्षण ले रही हैं। दोनों खिलाड़ियों की इस सफलता और लगन को देखकर रेलवे क्रीड़ा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक डा. रत्नेश सिंह एवं मंडल क्रीड़ा सचिव गीता शर्मा, जिला सचिव गजेंद्र तोमर आदि सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों कंठ मुक्त से प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की।

महाद्वदशी के पावन दिन पर श्रीभक्तमाल कथा के पंचम दिवस गोवर्धन पूजा 56 भोग लगा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हरि मंदिर में पावन पित्र पक्ष और पावन महाद्वदशी के दिन दिनांक 18 सितंबर 25 को भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी के पावन धाम पर बरेली वालो ने पंचम दिवस श्रीमद्भगवत कथा एवं भजन संध्या के माध्यम से अपनी अपनी हाजरी लगाई। प्रातः के सत्र में प्रभु श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की असीम कृपा से उन्हीं के धाम में आज श्रीमद्भागवत महाप्रभु श्री जगन्नाथ धाम मंदिर तक हुई जिसमें श्री वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास पूज्य श्री मधुर कृष्ण के पावन सानिध्य में उनके श्रीमुख से हुई कथा का एवं भगवान श्री जगन्नाथ भगवान की।महिमा वा भक्तमाल कथा श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। कथा में आज भगवान श्री कृष्ण 56 भोग का प्रसाद लगाया गया। सभी भक्तों में टॉफी, खिलौनों, उपहार आधी।से ठाकुर जी को रिझाया गया।कथा व्यास श्री मधुर कृष्ण शास्त्री जी ने गोवर्धन पूजा का महत्व और पूजा विधि भक्तजनों को बताई। शाम के सत्र में पूज्य श्री अतुल कृष्ण शास्त्री महाराज जी ने भगवान जगन्नाथ महा प्रभु की भक्तमाल कथा का गुणगान किया और भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की लीलालो का वर्णन किया। कथा के विश्राम।के उपरांत में श्री वृंदावन धाम से पधारे पूज्य पारस लाडला वा माधुरी शर्मा जी वा दिल्ली के महावीर शर्मा के संकीर्तन का लाभ भक्तजनों को मिला। कथा के मुख्य यजमान सुशील अरोड़ा,मनोज अरोड़ा,कंचन अरोड़ा,विमी अरोरा को मुख्य यजमान बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बरेली से रवि छाबड़ा,सुशील अरोरा,मनोज अरोड़ा,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा ,अनिल ग्रोवर, अवधेश अग्रवाल,दीपक अरोरा, नवीन अरोड़ा,अनिल अरोरा वा अन्य को भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर भी सभी भक्तजनों को श्री वृंदावन धाम से पधारे श्री पूज्य श्री अतुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज, भजन सम्राट श्री पारस लाडला,माधुरी शर्मा,एवं दिल्ली से पधारे पूज्य महावीर शर्मा का भी सत्संज एवं भजन संध्या का लाभ प्राप्त हुआ। भगवान श्री जगन्नाथ जी के पावन धाम में 14सितंबर से 20 सितंबर प्रत्येक दिन प्रातः के सत्र में श्री भक्तमाल कथा एवं शाम के सत्र में भजन संध्या का लाभ सभी को मिलेगी.

अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर बरेली के होटलों में ठहरे थे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में मुठभेड़ में दो शूटरों के मारे जाने के बाद पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस की पड़ताल में खुलासा हुआ है कि इस घटना में कुल चार शूटर शामिल थे। ये सभी 10 सितंबर को ही बरेली आ गए थे। इनमें मुख्य शूटर रविंद्र पुराने रोडवेज के पास होटल प्रीत पैलेस में ठहरा था, जबकि बाकी तीन शूटर बरेली जंक्शन के पास स्थित हिंद होटल में रुके थे। चारों ने पहले रेकी की और उसके बाद फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि 11 सितंबर की तड़के सुबह अभिनेत्री के घर फायरिंग करने के बाद चारों आरोपी रामपुर भी पहुंचे और वहां एक होटल में ठहरे। बरेली में इन्होंने अपनी असली आईडी से होटल में कमरा लिया था, जबकि रामपुर में फर्जी आईडी का इस्तेमाल किया। इसी वजह से शुरू में पुलिस को ऐसा लगा कि इस वारदात में आठ लोग शामिल हैं, लेकिन आगे की जांच में साफ हो गया कि यह वही चार शूटर थे जो अलग-अलग नामों से होटल में रुके थे। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि 11 सितंबर को नकुल और विजय सबसे पहले फायरिंग करने गए थे, लेकिन वे दिशा पाटनी का सही घर पहचान नहीं पाए और गलती से दूसरी जगह गोली चला कर लौट आए। जब उस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो अगली सुबह 12 सितंबर को रविंद्र और अरुण ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखा कि बाइक अरुण चला रहा था और रविंद्र ने गोली चलाई।होटल में फर्जी आईडी से ठहरने की वजह से पुलिस को शुरुआत में भ्रम हुआ, लेकिन होटल और रास्तों की सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद सच्चाई सामने आ गई। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि करीब ढाई हजार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। कई फुटेज में आरोपी बेखौफ घूमते नजर आए। इसके बाद उनकी लोकेशन ट्रेस करने का जिम्मा एसटीएफ ने उठाया। बुधवार शाम यूपी एसटीएफ, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में गाजियाबाद की ट्रॉनिका सिटी में रविंद्र और अरुण मुठभेड़ में ढेर कर दिए गए। वहीं, बागपत के नकुल और विजय अब भी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एसएसपी के मुताबिक, 11 सितंबर की सुबह सबसे पहले नकुल ने सुपर स्प्लेंडर बाइक पर आकर फायरिंग की थी, जबकि बाइक विजय चला रहा था। पुलिस ने इन दोनों को भी ट्रेस कर लिया है और जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बरेली में ढह रहा समाजवादी किला , डॉ. मोहम्मद फाज़िल मंसूरी ने छोड़ा सपा का साथ, थामा चंद्रशेखर आज़ाद का हाथ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली- बरेली की राजनीति में भूचाल मचाते हुए आला हजरत हॉस्पिटल के मालिक और जाने-माने समाजसेवी डॉ. मोहम्मद फाज़िल मंसूरी ने बुधवार को समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर भीम आर्मी-आज़ाद समाज पार्टी ज्वाइन कर ली। शाम को आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आज़ाद आला हजरत हॉस्पिटल पहुँचे और डॉ. मंसूरी को नीला पटका पहनाकर सदस्यता दिलाई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुलदीप भार्गव, आसपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील चितौड़, प्रदेश महासचिव एडवोकेट विकास बाबू, प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट अच्छन अंसारी और जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गौतम समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। डॉ. फाज़िल मंसूरी के जुड़ने से बरेली में समाजवादी पार्टी की पकड़ लगातार कमजोर होती नज़र आ रही है। उनकी मुस्लिम समाज में लोकप्रिय समाजसेवी छवि और जनसमर्थन अब पूरी तरह भीम आर्मी-आज़ाद समाज पार्टी के पाले में आ गया है। चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा- बरेली में आजाद समाज पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। डॉ. फाज़िल मंसूरी जैसे कद्दावर समाजसेवी का साथ मिलना हमारे आंदोलन को ऐतिहासिक मजबूती देगा। बरेली में उमड़े जनसैलाब और डॉ. फाजिल मंसूरी की ज्वाइनिंग ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले चुनावों में भीम आर्मी-आज़ाद समाज पार्टी समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनने जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

छात्र का नीट में चयन, शिक्षकों ने दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली। श्री पी0 सी0 आजाद इंटर कॉलेज बिहार कलां के पूर्व छात्र सलमान अंसारी पीर बहोड़ा का चयन नीट 2025 में हुआ है। छात्र सलमान अंसारी को ए.एस.एम.सी. मेडिकल कॉलेज पीलीभीत में प्रवेश मिला है।उसकी इस सफलता पर वृहस्पतिवार को प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेंद्र कुमार गंगवार ने सलमान अंसारी को माला पहनाकर अभिवादन किया। प्रधानाचार्य श्री गंगवार ने कहा निरंतर प्रगति करने के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर शिक्षक छदम्मी लाल , नीरज गंगवार, गायत्री देवी शर्मा, जयवीर तोमर , जलज सक्सेना, प्रमोद स्वरूप, हेमपाल गंगवार, आरती पांडे, सुरेंद्र पाल शर्मा, भारती माला, शालिनी सक्सेना सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभ अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभ अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्य मंत्री, जल शक्ति विभाग,उ0 प्र0 सरकार एवं प्रभारी मंत्री जनपद शामली श्री दिनेश खटीक जी सहित एमएलसी श्री वीरेन्द्र सिंह, एमएलसी मोहित बेनीवाल, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा तेजेन्द्र निर्वाल, जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकासअधिकारी विनय कुमार तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार सीएमएस डॉ किशोर आहुजा व डॉ अतुल बंसल, डॉ अश्विनी, डॉ जाहिद अली त्यागी, डॉ अथर जीमल, डॉ विनोद, श्री आशुतोष श्रीवास्तव, श्री फईम अहमद, श्री लविश कुमार, श्री नितिन भारद्वाज, श्री दीपक शर्मा,श्री विजय कुमार आदि उपस्थित सभी के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उनके शुभारंभ कार्यक्रम का मध्य प्रदेश इंदौर से लाइव प्रसारण देखा गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जनपद के प्रभारी मंत्री श्री दिनेश खटीक जी ने अपने संबोधन में संबोधन में कहा कि हम सभी ने देश के नहीं बल्कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता मा0 प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र मोदी जी का मध्य प्रदेश की पावन धरती इंदौर से उनके प्रेरणादाई संबोधन को सुना। जिसमें उन्होंने जितनी भी योजनाओं का जिक्र किया है उन सभी योजनाओं का अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को उनका लाभ मिल रहा है और जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी ने एक सपना देखा था की जो गरीब है, शोषित है, वंचित है, पीड़ित है उसकी मदद हो सके वह सपना आज साकार हो रहा है। प्रभारी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पहले गंभीर बीमारी के कारण गरीब पैसे के अभाव में दम तोड़ देते थे उनके लिए आयुष्मान भारत योजना वरदान साबित हो रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी ने 2014 में सरकार बनने के बाद संकल्प लिया और और प्रत्येक घर को शौचालय देने का काम किया, उज्ज्वला योजना के तहत लाभ दिया गया औरअन्य बहुत सारी योजनाओं का लाभ दिया गया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री अपने प्रत्येक जन्मदिवस पर कुछ ना कुछ संकल्प लेते हैं इस बार उन्होंने अपने जन्म दिवस को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान को समर्पित किया है। मा0 प्रभारी मंत्री जी द्वारा अपने उद्बोधन में जनपद शामली के किशोरी व महिलाओं को इस अभियान में होने वाले स्वास्थ्य शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों से सेवा प्राप्त करें तथा अपनी जांच भी करायें। प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाई जा रही पोषण माह महापर्व बच्चों एवं महिलाओं को पोषण सम्बन्धी जनजागरूकता में भागीदारी लेकर अधिक से अधिक महिलाओं को लाभ दिलाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा।आयोजित कार्यक्रम मे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 05 गोल्डन कार्ड का वितरण किया गया तथा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत 10 पोषण पोटली के वितरण के साथ-साथ श्रम विभाग द्वारा हस्त शिल्प के अन्तर्गत प्रमाण पत्रों का माननीय अतिथियों द्वारा वितरण भी किया गया।सर्वोदय ब्लड बैंक एवं कम्पोनेन्ट सेण्टर द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 04 जिला संयुक्त चिकित्सालय, शामली में, 41 बीजेपी कार्यालय में व 46 महाराजा अग्रसेन पार्क में ब्लड दाताओं द्वारा ब्लड दिया गया। जनपद में कुल 91 ब्लड दाताओं द्वारा ब्लड दिया गया।तत्पश्चात् सम्मानित अतिथियों द्वारा लगाये गये शिविरों को अवलोकन किया गया व मिलने वाली सेवाओं के विषय में जानकारी ली गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया।

टेरा गौरा धनौली से समूह संगत पंजाब के लिए आई हुई थी उनका सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ जिला बहराइच ग्राम गौरा धनौली मटेरा समूह साथ संगत के द्वारा पंजाब बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लिए पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए एक ट्राला गेहूं पंजाब के लिए रवाना किया गया जिला फिरोजपुर पिंड वडाला मटेरा की संगत पहुंची वहां का मंजर देखकर किसानों का सब कुछ लुट गया है किसान की फसल बर्बाद हो गई किसानों का घर गिर गया किसान के जानवर कितने मर गए रावी नदी ने सबसे ज्यादा किसानों का फसल घर तबाह किया जिसका मंजर भयावा ह जिला अमृतसर पिंड जीशान पहुंचे जिन लोगों का फासले बर्बाद हो गया था उनसे मिलकर उनकी सेवा की वहां की जनता ने हम लोगों को धन्यवाद किया कि आप लोग ट्रैक्टर ट्राली से करीब 1200 किलोमीटर चलकर पंजाब की धरती पर सेवा करने के लिए आए हैं इसके लिए मैं आप लोगों का आभारी हूं और मैं दिल से आशीर्वाद देता हूं की हमेशा आप लोग सेवा करते रहे जिला पटियाला के भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी गुरनाम सिंह ब्लॉक प्रधान रणजीत सिंह जिला प्रधान पटियाला कश्मीर सिंह राजपुर जिला पटियाला भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी गुरनाम सिंह जी ने हमारी जो मटेरा गौरा धनौली से समूह संगत पंजाब के लिए आई हुई थी उनका सम्मान किया और उन्होंने हम लोग को बहुत किस्मत वाले हैं जो पंजाब की धरती पर सेवा करने का अवसर मिला है हमारे बीच में अकाल खालसा फौजी के अध्यक्ष सरदार सल्लू सिंह से मटेरा के किसान का हाल-चाल जाना सेवादार अकाल खालसा फौज सरदार सल्लू सिंह अध्यक्ष जालंधर जालम सिंह सुखविंदर सिंह जरनैल सिंह कमलजीत सिंह सूरज सिंह बल्ले सिंह चैन सिंह अजय सिंह हरप्रीत सिंह गोलू सिंह मनदीप सिंह राजा सिंह अजय सिंह गुरमुख सिंह गुरमीत सिंह अमरीक सिंह

नव युवक दुर्गा पूजा समिति को 16,100 रुपये का सहयोग

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ प्रतापपुर। आश्रमपारा स्थित नव युवक दुर्गा पूजा समिति को इस वर्ष दुर्गा पूजा आयोजन के लिए शिक्षक विजय कुमार जायसवाल के पुत्र रुद्रांश जायसवाल ने 16,100 रुपये का सहयोग राशि प्रदान किया। राशि प्रदान करने के अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने रुद्रांश जायसवाल के इस योगदान की सराहना की और कहा कि समाज के युवा वर्ग की ऐसी भागीदारी धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को मजबूती देती है। समिति ने बताया कि दुर्गा पूजा जैसे महापर्व में स्थानीय लोगों का सहयोग और आस्था ही इसकी सफलता की आधारशिला है। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार का आर्थिक सहयोग न केवल आयोजन को भव्य बनाने में सहायक होता है बल्कि समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक परंपरा को भी और मजबूत करता है। उन्होंने रुद्रांश जायसवाल और उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों ने भी रुद्रांश जायसवाल के इस योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं द्वारा धर्म और संस्कृति के प्रति दिखाया गया समर्पण आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद की दबंगई, रेस्टोरेंट संचालक से मांगी 1 लाख की रंगदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत। जिले में धर्म और संगठन के नाम पर दबंगई करने का मामला सामने आ1या है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद से जुड़े दबंगों पर रेस्टोरेंट संचालक से रंगदारी मांगने का आरोप लगा है। नवाबगंज (बरेली) निवासी रेस्टोरेंट संचालक सुवजीत सिंह पुत्र गुरुदयाल सिंह ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनका इटैलियन कैफे एंड रेस्टोरेंट (डा. भगवान दास हॉस्पिटल, अवध नगर, गौहनिया फाटक के पास) संचालित है। सुवजीत सिंह के अनुसार, 13 सितंबर को दोपहर लगभग तीन बजे कुछ लोग जबरन रेस्टोरेंट में घुसे। उन्होंने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट में गलत काम होता है। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि वे विश्व हिंदू रक्षा परिषद से जुड़े हैं और यदि रेस्टोरेंट बचाना है तो एक लाख रुपये देने होंगे। पीड़ित का कहना है कि दबाव बनाकर पहले 80 हजार रुपये की मांग की गई। डर के माहौल में उसने अपने जीजा के खाते से 20 हजार रुपये ट्रांसफर कराए और बाकी रकम एटीएम से निकालकर कुल 60 हजार रुपये आरोपियों को सौंप दी। सुवजीत सिंह का आरोप है कि पैसे लेने के बाद भी दबंगों ने धमकी दी कि यदि इस घटना की जानकारी किसी को दी गई तो रेस्टोरेंट पर झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया जाएगा और अखबारों में खबर छपवाकर उनकी छवि खराब कर दी जाएगी। बाद में जानकारी मिली कि रंगदारी मांगने वालों में गौरव राणा, आशीष लोधी, शिवम सक्सेना और बजरंगी शामिल थे। ये सभी खुद को विश्व हिंदू रक्षा परिषद से जुड़ा बताते हैं। संचालक ने पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और लूटी गई रकम वापस दिलाने की मांग की है। साथ ही कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदारी उन्हीं दबंगों और संगठन की होगी।

रोहित गोदारा ने एनकाउंटर का बदला लेने की दी धमकी, लिखा- वक्त लग सकता है, माफी नहीं

गाजियाबाद में हुए एनकाउंटर के बाद कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर धमकी भरी पोस्ट किया है। उसने मारे गए दोनों शूटर्स को %शहीद% बताते हुए लिखा कि उन्होंने धर्म के लिए बलिदान दिया है। इसका बदला लेने की धमकी दी है। बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटर्स का गाजियाबाद में एनकाउंटर कर दिया गया। दो शूटर्स अभी भी फरार हैं। इस एनकाउंटर के बाद अब रोहित गोदारा ने धमकी दी है। फेसबुक पर रोहित गोदारा नाम से बनी आईडी से एक पोस्ट किया गया, जिसमें एनकाउंटर में मारे गए दोनों शूटर्स को शहीद बताया। पुलिस अब रोहित गोदारा की पोस्ट की जांच कर रही है और इसे गंभीर मानते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। फेसबुक पोस्ट में यह लिखा फेसबुक पोस्ट में लिखा, %राम राम सभी भाइयों को मैं रोहित गोदारा। भाइयों आज जो एनकाउंटर हुआ है। ये हमारे लिये जीवन की बहुत बड़ी क्षति है। मैं आपको बता दूं, ये जो न्यूज चैनल वाले जो न्यूज चला रहे हैं। ये ना की ढेर हुए हैं। ये ढेर नहीं शहीद हुए हैं। इन भाइयों ने धर्म के लिये अपना बलिदान दिया है। आगे लिखा है कि एक मुंह से तुम सनातन सनातन चिल्लाते हो। और जो सनातन के लिये लड़ाई लड़े। उसको मार दिया जाता है। ये जितने भी सनातन धर्म का नाम लेकर घूम रहे हैं। ये सिर्फ अपनी रोटी सेक रहें हैं। ये एनकाउंटर नहीं सनातन की हार हुई है। धर्म के लिये लड़ने वालों को इस हिंदुस्तान में मार दिया जाता है। अगर तुम इतने सच्चे हो तो उठाओ मुद्दा। हमारे शहीद भाइयों को दिलाओ इंसाफ। बाकी मैं पूरे देश को बता देना चाहता हूं। ये सनातन धर्म की आड़ में एक धंधा चला हुआ है। सभी देशवासी इनसे सावधान रहें। और हम अगर धर्म के लिए लड़ सकते हैं तो हमारे शहीद भाइयों के लिए हम वो काम कर सकते हैं, जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। इसमें जिसका भी हाथ है। वो चाहे कितना भी पैसें वाला हो या पावर वाला हो वक्त लग सकता है, माफी नहीं है।12 सितंबर को नौ राउंड की गई थी फायरिंग बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर 12 सितंबर को तड़के साढ़े तीन बजे नौ राउंड फायरिंग की गई थी। बाइक सवार दो आरोपी फायरिंग कर भाग निकले थे। इनमें आगे बैठा युवक हेलमेट लगाए हुए था। चर्चित अपराधी गोल्डी बरार के गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वारदात की जिम्मेदारी ली थी। इसमें स्वामी अनिरुद्धाचार्य व स्वामी प्रेमानंद पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गुस्सा जताया गया था। भविष्य में ऐसा करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। जिन शूटरों ने दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। उन दोनों को यूपी एसटीएफ और दिल्ली स्पेशल सेल ने बुधवार शाम गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी में हुई मुठभेड़ में ढेर किया। दोनों बदमाशों ने पुलिस पर आधुनिक हथियारों से फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश मार गए।

पीलीभीत में पंचायत सहायकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत। जिला पीलीभीत के समस्त विकास खण्डों के पंचायत सहायकों का चार दिवसीय अनआवासीय प्रशिक्षण जिला पीलीभीत के आशीर्वाद बैंकट हॉल में शुभारंभ हुआ। प्रथम बैच में अमरिया के पंचायत सहायकों के प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला पीलीभीत के डीपीआरओ रोहित भारती ब डी.पी.एम. अंशुल वर्मा ने सरस्वती माता की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित करके किया प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर ज्योति जी ने सतत विकास लक्ष्य के 17 लक्ष्य एवं नौ थीम गरीबी मुक्त गांव, स्वस्थ गांव , वाल हितेषी गांव , पर्याप्त जल युक्त गांव , स्वच्छ एवं हरित गांव , आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गांव , सुशासन वाला गांव, महिला हितैषी गांव आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर बबिता जी ने ग्राम पंचायत विकास योजना, ग्राम सभा, ग्राम पंचायत,कोरम ब कार्यों के बारे में बताया मास्टर ट्रेनर देवेश यादव ने केंद्रीय वित्त तथा राज्य वित्त के बारे में बताया इसके साथ टाइट तथा अनटाइड फंड क्या होता है इसके बारे में भी जानकारी दी, टाइड फंड (Tied Fund), जिसे बद्ध अनुदान या सशर्त अनुदान भी कहते हैं, एक विशेष प्रकार का वित्तीय सहायता कोष है जिसका उपयोग केवल पूर्वनिर्धारित कार्यों या उद्देश्यों के लिए ही किया जा सकता है. भारत में 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत, यह अनुदान मुख्य रूप से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति के रखरखाव जैसे ग्रामीण स्वच्छता और पेयजल संबंधी विकासात्मक कार्यों के लिए होता है. ग्राम प्रधान,क्षेत्र पंचायत के प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष रू0 10,00,000/- जिला पंचायत के सदस्य रू0 5,00,000/- ग्राम पंचायत के सदस्य रू0 2,00,000/- पात्रता आवेदक मृतक पंचायत प्रतिनिधि का पारिवारिक सदस्य या आश्रित होना चाहिए 7 पंचायत प्रतिनिधि (ग्राम पंचायत के प्रधान,क्षेत्र पंचायत के प्रंमुख,जिला पंचायत अध्यक्ष,या जिला पंचायत,क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत के सदस्य) की पद पर रहते हुए मृत्यु होने पर सहायता प्रदान की जाती है 7 पंचायत प्रतिनिधि द्वारा आत्महत्या या आपराधिक कृत्यों में संलिप्तता के मामलो में सहायता प्रदान नही की जाएगी 7 आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन मृतक पंचायत प्रतिनिधियो के परिवार के सदस्य या आशारितों को पंचायतीराज विभाग,उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट के मध्यम से सीधे आवेदन करना चाहिए 7 पंचायत कल्याण कोष पोर्टल पर पंजीकरण के दौरान, आश्रित को निर्धारित प्रारूप (परिशिष्ट-1) में आवेदक पत्र भरना होगा और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे 7 जिला पंचायत राज अधिकारी आश्रित द्वारा प्रस्तुत आवेदन को उनकी लॉगिन आईडी से अपलोड करेंगे और गहन समीक्षा के बाद जिला मजिस्ट्रेट से अनुमोदन प्राप्त करेंगे 7 जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुमोदित होने के बाद,जिला पंचायत राज अधिकारी धन हस्तांतरण के लिए अपने लॉगिन आईडी से आवेदन पत्र को पंचायती राज के निदेशक को अग्रेषित करेंगे आवश्य दस्तावेज आवेदक का पहचान प्रमाण मृतक पंचायत प्रतिनिधि के संबंध का प्रमाण 7 राशन कार्ड 7 पंचातय प्रतिनिधि की आकस्मिक मृत्यु के मामले में , पंचनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट या पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी प्रमाणपत्र की प्रति उपलब्ध करवाएं 7 प्राकृतिक मृत्यु के मामले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी मृत्यु प्रमाण पत्र 7 ग्राम प्रधान या ग्राम पंचायत सदस्य की मृत्यु की स्थिति में ग्राम पंचायत सचिव द्वारा, क्षेत्र प्रमुख या क्षेत्र पंचायत सदस्य की मृत्यु की स्थिति में खंड विकास अधिकारी द्वारा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष या जिला पंचायत सदस्य की मृत्यु की स्थिति में अपर मुख्य अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र बैंक खाता विवरण / बैंक पासबुक 7 निर्वाचित व्यक्ति के कार्यालय से प्रमाणन रिकार्ड 7आवश्यकतानुसार कोई अतिरिक्त दस्तावेज 7 प्रशिक्षण में अमन वर्मा, प्रदीप कुमार, बबीता, ज्योति, रोशनी, देवेश यादव, वीर पाल राठौर, नूर फातिमा, आकाश कुमार, राहुल कुमार, किरन देवी राहुल,अभिषेक,अयाज मोहम्मद आदि पंचायत सहायक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीओ रविन्द्र कुमार ने कैलिया बिजली पावर हाउस की साफ सफाई करवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच बिजली विभाग के एसडीओ रविन्द्र कुमार ने आज कैलिया रोड स्थित बिजली पावर हाउस पर साफ सफाई करवाई इस बिजली पावर हाउस पर पर पूरी जगह पर छोटे बड़े पेड़ पौधे उग आये थे और गंदगी पनप रही थी बिजली कर्मियों को कार्य करने और आने जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था साफ सफाई होने के बाद अब वहां अच्छा दिखने लगा है

सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत महाविद्यालयों में स्वच्छता कार्यक्रम एवं पौधरोपण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं पौधरोपण गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में प्राचार्य प्रो. पवन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में सरस्वती वाटिका में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि हर नागरिक इस संकल्प को अपनाए तो भारत की स्वच्छता छवि और अधिक मजबूत हो सकती है। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण, एनएसएस प्रभारी एवं स्वयंसेवक सारांश बंसल, वंशिका अग्रवाल, प्रद्युम्न गोस्वामी सहित अनेक छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। इसी प्रकार शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर, शासकीय महाविद्यालय खनियाधाना, बदरवास एवं शासकीय महाविद्यालय कोलारस में भी सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत परिसर एवं गोद ग्रामों में स्वच्छता कार्यक्रम, रैलियाँ तथा छात्रों के साथ चर्चाओं का आयोजन कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

दुकानों के अवैध निर्माण पर पीलीभीत के डीएम और सिटी मजिस्ट्रेट को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत सुप्रीम कोर्ट ने चंदोई गांव में पांच दुकानों के कथित अवैध निर्माण के संबंध में पीलीभीत के जिला मजिस्ट्रेट और सिटी मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ चंदोई निवासी हुमेरा सुल्तान द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मई के उस आदेश को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था जिसमें विवादित दुकानों को गिराने पर रोक लगा दी गई थी। दोनों अधिकारियों को दो महीने के भीतर अपने बयान दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। सुल्तान ने आरोप लगाया कि 300 वर्ग मीटर के भूखंड पर स्थित दुकानें, जिनका निर्माण दो स्थानीय लोगों मोहम्मद तौहीद और मोहम्मद मोहीद ने किया था, उनकी संपत्ति पर बनाई गई थीं। सुल्तान ने पिछले साल सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर की अदालत में एक दीवानी मुकदमा दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि दुकानों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसके बाद, 12 दिसंबर, 2024 को, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने दुकानों को गिराने का आदेश दिया, क्योंकि निर्माण के लिए विनियमित क्षेत्र प्राधिकरण से अनुमति नहीं ली गई थी। जिसके एक दिन बाद, तौहीद और मोहीद ने ज़िला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह की अदालत में ध्वस्तीकरण के आदेश को चुनौती देते हुए अपील दायर की। इस अपील के लंबित रहने के दौरान, दोनों ने ज़िला मजिस्ट्रेट अदालत में अपनी अपील के निपटारे तक आदेश पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया। इस सप्ताह के शुरू में अपलोड किए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने कहा कि वे 卐शीर्ष अदालत के नोटिस का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जिलाधिकारी शामली अरविंद कुमार चौहान द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर पोषण रैली का शुभारंभ किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली पर राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारम्भ जनपद के प्रभारी मंत्री श्री दिनेश खटीक जी, एम0एल0सी0 वीरेन्द्र सिंह, सिंह, एम0एम0सी0 श्री मोहित बेनीवाल, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री तेजेन्द्र निवाल, जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान द्वारा संयुक्त रूप से हरी झण्डी दिखाकर पोषण रैली का शुभारम्भ किया। इस दौरान बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग शामली तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टाल लगाया गया था।

स्टाल का निरीक्षण करते हुए प्रभारी मंत्री जी ने मोटे अनाज द्वारा निर्मित रेसिपी की प्रशंसा की एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुपोषित बच्चो को दी जानी वाली मेडिसिन किट का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छोटे बच्चें देश का भविष्य होते है इनके पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की उचित देखरेख की जानी चाहिए।उन्होने बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों के पोषण के साथ-साथ शिक्षा का भी ध्यान रखने हेतु जागरूक किया। उन्होने ग्रामवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को फास्ट फूड से दूर रखे एवं हरी सब्जियों एवं मौसमी फलों का अधिक से अधिक उपयोग करें। यदि बच्चें स्वस्थ होगे तो इससे स्वस्थ भारत का निर्माण होगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी यामिनी रंजन ने कहा कि आठवां पोषण माह दिनांक 17.09.2025 से 16.10.2025 तक देश भर में मनाया जा रहा है। इस वर्ष आठवां पोषण माह की मुख्य थीम मोटापा निवारण चीनी, नमक एवं तेल के उपभोग में कमी, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) / पोषण भी, पढ़ाई भी (PBPB), एक पेड माँ के नाम, शिशु एवं छोटे बच्चों के पोषण (IYCF) संबंधी व्यवहार, पुरुष सहभागिता (Men&streaming). हैं। उन्होनें कहा कि प्रत्येक परिवार शिक्षा स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक रहेगा तो इससे स्वस्थ समाज की नींव पडेगी। उन्होने गर्भवती महिलाओ के स्वस्थ्य एवं आहार की महत्ता पर विशेष बल दिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओ को खान-पान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थियों व ग्रामीणो को पोषण सम्बन्धी शिक्षा दी गयी। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक ने कुपोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी वशामली, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती ममता देवी, मुख्य सेविकाएं, श्री संजीव कुमार जिला समन्वयक, श्री रोबिन सिंह, श्री लुकमान एवं अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहे।

रेडक्रॉस सचिव ने अपर जिला अधिकारी को बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु 50 त्रिपाल दिए

क्यूँ न लिखूँ सच / उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति बृजेश पाठक द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में शाहजहांपुर में स्थानीय स्तर पर रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने अपर जिला अधिकारी अरविंद कुमार को बाढ़ आपदा प्रबंधन सहयोग हेतु भीउनके विभाग के कर्मचारियों को उनकी सरकारी निजी वाहन के माध्यम से अपने आवास/ कैंप कार्यालय में बुलाकर 50 त्रिपाल बाढ़ एवं वर्षा छप्पर एवं छत विहीन पीड़ितों को वर्षा से बचाव हेतु वितरण किए। एक त्रिपाल की लंबाई 6 मीटर और चौड़ाई 4 मीटर व वजन 25 किलो। जो की इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी प्रदेश कार्यालय लखनऊ से बाढ़ पीड़ितों की सेवाओं के लिए भेजे गए। अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने रेड क्रॉस सोसाइटी शाहजहांपुर के कार्यों की प्रशंसा की जिस पर डॉ जौहरी ने जन हित में मानव सेवा के लिए इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की शाखा-शाहजहाँपुर जिला प्रशासन के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का आश्वासन दिया!

भाजपा मंडल चितरंगी के मंडल अध्यक्ष श्री अजय कुमार द्विवेदी के अध्यक्षता मेंसेवा पखवाड़ा कार्यक्रम संपन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / अनुपम कुमार द्विवेदी / चितरंगी (जिला सिंगरौली, म.प्र.)। भारतीय जनता

पार्टी मंडल चितरंगी द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष माननीय अजय द्विवेदी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक श्री अमर सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से - जिला मंत्री प्रवेंद्र धर द्विवेदी जिला महामंत्री लाल पति साकेत पूर्व मंडल अध्यक्ष दुर्गा सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश नारायण जायसवाल पूर्व मंडल उपाध्यक्ष गंगा सिंह वैस, शंकराचार्य पाठक पूर्व मंडल महामंत्री हर्ष कुमार सिंह, देवेन्द्र द्विवेदी मंडल उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, देवेश धर जी मंडल अध्यक्ष (अल्पसंख्यक) श्री अब्दुल कादिर मंडल महामंत्री प्रभात कुमार सिंह मंडल मंत्री सुशील जायसवाल, राजेश कुमार सिंह, कमलेश्वर सिंह आदि पदाधिकारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई अभियान, कार्यशाला और विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया।

22 सितम्बर को नगर पालिका परिषद बनेगी मानवता और सेवा भावना की मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने जहां तबाही मचाई और अनगिनत परिवारों को दर्द दिया, वहीं इस मुश्किल घड़ी में कांधला क्षेत्र के समाजसेवी और नागरिक देवदूत बनकर आगे आए। किसी ने राहत सामग्री पहुँचाई, किसी ने भोजन उपलब्ध कराया तो किसी ने आर्थिक सहयोग देकर पीड़ितों के आँसू पोंछने का कार्य किया। इन सेवा भावी सहयोगियों के साहस, समर्पण और मानवता को नमन करते हुए नगर पालिका परिषद कांधला अब एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित करने जा रही है। सोमवार, 22 सितम्बर 2025 समयः दोपहर 3ः00 बजे स्थानः नगर पालिका परिषद भवन, कांधला नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहायह सिर्फ़ एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि मानवता के उन असली नायकों को सलाम है, जिन्होंने बाढ़ पीड़ितों की मदद कर इंसानियत की सच्ची तस्वीर पेश की। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे भारी संख्या में पहुँचकर समाजसेवियों का उत्साह बढ़ाएँ और इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनें।सूत्रों के अनुसार, इस समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नगर के लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम में मददगारों को सम्मानित करने के साथ-साथ आगे भी ज़रूरतमंदों की सहायता जारी रखने का संकल्प लिया जाएगा।यह आयोजन न सिर्फ़ कांधला बल्कि पूरे जनपद में एकता, भाईचारा और सेवा भावना का संदेश फैलाएगा।।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता व उत्तरप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश पर जिला अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह पांचाल के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों सहित शामली तहसील बनत पहुंचे। जहां उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी शामली अरविंद चौहान को सौंपा गया। जिसमें ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के लिए राज्य मुख्यालय लखनऊ में शासन की ओर से,अन्य संगठनों की भांति कार्यालय हेतु भवन का आवंटन दारुलसफा या ओसीआर में किया जाए। जिससे जनपदों से आने वाले पत्रकारों को रुकने तथा प्रदेश स्तरीय बैठके करने की समस्या का निदान हो सके। मान्यता-प्राप्त पत्रकारों की तरह ही पत्रकारों को भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाए, जिससे उसका वह उसके परिवार का मुफ्त कैशलेश इलाज करा सके। इस योजना में केवल अखबारों में कार्यरत संवाददाताओं को शामिल किया जाए, जिनकी सूची जिला सूचना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। पत्रकारों को शासन स्तर से बीमा योजना में शामिल किया जाए। साथ ही लंबे समय से आंचलिक पत्रकारिता कर रहे60 वर्षीय बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। इनकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय के माध्यम से तैयार की जाए।ग्रामीण पत्रकारों के विरुद्ध कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने से पूर्व जिला पुलिस के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनिवार्य रूप से जांच की जाए, ताकि पत्रकारों का अनावश्यक उत्पीड़न रोका जा सके। राज्य एवं जिला स्तर पर स्थाई समिति की भांति तहसील स्तर पर भी प्रशासनिक अफसरो के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठकर कराई जाए शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सभी संबंधित तहसील अध्यक्षों को इसमें अनिवार्य रूप से शामिल किया जाय।प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत ग्रामीण पत्रकार के परिजनों को किसान बीमा योजना की तरह तत्काल पाँच लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाए, ताकि शोकग्रस्त परिवार को संकट की घड़ी में सहारा मिल सके।इसकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय से तैयार करायी जाये ज्ञापन देने वालों में अरविंद कौशिक ,सुधीर चौधरी, रणवीर सैनी,सोनू पंडित ,आदेश शर्मा ,अनुज सैनी, रविंद्र शर्मा, मनोज चौधरी शौकीन सिद्दीकी ,सुरेंद्र सिंह निरवाल, राकेश गुप्ता संदीप इन्सां, वरिष्ठ पत्रकार महराब चौधरी, सुरज कौशिक, राहुल कुमार मा0रामकुमार, सन्नी गर्ग, आशीष सैनी, सलमान चौधरी, आदि शामिल रहें।

नवरात्रि से पहले मां गढ़वतिया देवी धाम की दुर्दशा – श्रद्धालुओं की आस्था, पर सुविधाओं का टोटा

10 से 15 हजार श्रद्धालु हर साल पहुंचते हैं दर्शन के लिए, मुख्यमंत्री की 50 लाख की घोषणा भी लटकी

चांदनी बिहारपुर सूरजपुर।- चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली स्थित मां गढ़वतिया देवी धाम का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। नवरात्रि पर्व पर यहां हर साल लगभग 10 से 15 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और झारखंड तक से भक्त यहां माता का आशीर्वाद लेने आते हैं। फिर भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव मंदिर परिसर में न पेयजल, न बिजली, न शौचालय की सुविधा। सीढ़ियों का निर्माण नहीं हुआ, श्रद्धालु कठिनाई से ऊपर चढ़कर दर्शन करते हैं। देवी धाम तक पहुंचने का रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा और जर्जर, बरसात में बेहद खतरनाक।ग्रामीण ही संभाल रहे जिम्मेदारी नवरात्रि की तैयारियों को लेकर इस बार भी समिति और ग्रामीणों ने खुद सफाई अभियान चलाकर मंदिर परिसर व रास्तों से झाड़ियां हटाईं। हर साल बिना प्रशासनिक सहयोग के श्रद्धालु और ग्रामीण ही यहां की व्यवस्था संभालते हैं मुख्यमंत्री की घोषणा भी अधर में मां कुदरगढ़ देवी धाम कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा गढ़वतिया देवी धाम के विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की गई थी। लेकिन इस घोषणा को हुए लगभग 6 माह बीत चुके हैं, फिर भी अब तक कोई पहल नहीं की गई। ग्रामीणों का कह ना है कि यह लापरवाही श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ है।ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों और समिति सदस्यों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि - 1. मुख्यमंत्री द्वारा की गई 50 लाख की घोषणा को तत्काल अमल में लाया जाए। मंदिर परिसर में पेयजल, बिजली और शौचालय की सुविधा दी जाए।सीढ़ियों और पक्के मार्ग का निर्माण शीघ्र किया जाए।नवरात्रि में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा और स्थायी साफ-सफाई की व्यवस्था हो।

संक्षिप्त समाचार

कांधला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन का जश्न दूसरे दिन भी लड्डू वितरण का सिलसिला जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में कांधला नगर में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। नगर पालिका कांधला के पूर्व अध्यक्ष हाजी इस्लाम ने दूसरे दिन भी सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच लड्डू बांटे और जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। हाजी इस्लाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व देश को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। ऐसे में जन्मदिन के इस अवसर पर नगरवासियों के साथ मिलकर मिठाई बांटकर खुशी जाहिर करना गर्व की बात है।लड्डू वितरण के दौरान भारी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रधानमंत्री की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना की।

दिव्यांग दंपत्ति की पीड़ा सुनकर जिलाधिकारी पहुंचे घर, बच्चों की पढ़ाई और रोज़गार की व्यवस्था का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / जनसुनवाई के दौरान सामने आई एक मार्मिक गुहार पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत कार्यवाही की और दिव्यांग परिवार को राहत पहुंचाई। दो दिन पूर्व उमरारखेरा, उरई निवासी अरुण (36 वर्ष) और उनकी पत्नी गोल्डी (35 वर्ष) जिलाधिकारी के पास पहुंचे थे। दोनों ने बताया कि वे दृष्टिबाधित हैं, आँखों से देख नहीं सकते। उनके वृद्ध माता-पिता (72 वर्ष) भी सहारे पर हैं और घर में कोई आय का साधन नहीं है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कठिन हो रही है और स्कूल की फीस भर पाना असंभव है। जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि आरटीई के तहत बच्चों की शिक्षा कराई जाए और उन्हें उत्तर प्रदेश शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। साथ ही जिला पूर्ति अधिकारी को आदेशित किया कि परिवार को नियमित खाद्यान्न की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी आज स्वयं दंपत्ति के घर पहुंचे और उनका हाल चाल जाना उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।साथ ही अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उरई को निर्देशित किया कि परिवार को रोज़गार से जोड़ने की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर होकर सम्मानजनक जीवन जी सकें। जिलाधिकारी की इस पहल से दिव्यांग दंपत्ति भावुक हो उठे और उनकी आंखों से खुशी के आँसू छलक पड़े।

किसानो को ट्रैक्टर बेचने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ किसानो से ट्रैक्टर धोखाधड़ी से लेकर फर्जी आरसी तैयार कर पुनः किसानो को ट्रैक्टर बेचने

वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार, 03 ट्रैक्टर बरामद थाना- मूर्तिहा / स्वॉट / सर्विलांस पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध व अपराधियों की रोक-थाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये दिशा-निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा श्रीमती हर्षिता तिवारी के कुशल नेतृत्व में थाना मूर्तिहा पुलिस व स्वॉट/ सर्विलांस की संयुक्त टीम को मिली सफलता, मु0अ0सं0 159/2025 धारा 316(2), 318(4), 338, 336(4), 340(2), 111(2)(2), 61(2) बी0एन0एस0, मु0अ0सं0 160/2025 व 161/2025 धारा- 316(2), 318(4), 338, 336(4), 340(2), 61(2) बी0एन0एस0 का मुख्य आरोपी गिरफ्तार ।

Serve spicy garlic chutney with roti-paratha, the fun of eating will double

Are you also bored of eating dal-vegetables everyday? Do you want something spicy and tangy in your food? If yes, then why not add something new to your plate this time? Actually we are talking about spicy garlic chutney which is very easy to make and it will leave no stone unturned in doubling the taste of your food. Are you also bored of eating the same type of food every day? Do you feel that something spicy is missing in your plain dal-roti or paratha? If yes, then this recipe can prove to be a great option for you. Yes, this spicy garlic chutney which is ready in just 5 minutes will give a new and tremendous twist to your food. Believe me, after eating it you will keep licking your fingers. Ingredients for making garlic chutney Garlic cloves: 10-12 (peeled) Red chilies: 5-6 (dry) Cumin seeds: half a teaspoon Mango powder: half a teaspoon Salt: according to taste Mustard oil: 2 teaspoons Method of making garlic chutney First of all, soak the dry red chilies in lukewarm water for 10-15 minutes so that they become soft. Now take a mixer jar. Add soaked red chilies, peeled garlic, cumin seeds, mango powder and salt in it. Add some water to it and grind it well. Keep in mind that the chutney should not be too thin, keep it a little thick. Now take a small pan or wok. Heat mustard oil in it. When the oil is hot, add the ground chutney to it and fry it on low flame for 2-3 minutes. When the chutney starts releasing oil, turn off the gas. Keep these things in mind while making chutney If some special things are kept in mind while making spicy garlic chutney, then its taste will increase even more. These simple tips will help you: Don't forget to soak the chillies: Soaking the dried red chillies in hot water softens them and the chutney also turns dark and red in colour. If you want, you can remove the seeds from the dried red chillies to reduce the spiciness. Amount of garlic: The main flavour of the chutney comes from garlic, so use a good amount of garlic cloves. This will give the chutney a spicy and interesting flavour. Use the right oil: Mustard oil tastes the best in this chutney. You can use any other oil if you want, but mustard oil gives it a special desi flavour. Roast the spices well: After grinding in a mixer, it is very important to fry the chutney in oil. This removes the rawness of the chutney and enhances both its flavour and aroma. Roast it till it starts leaving oil. Keep a check on the water: Do not add too much water while grinding the chutney. Keep it thick so that it tastes good with paratha or roti.

If the plants are wilting even after giving fertilizer and water, then you must be making 5 mistakes unknowingly; correct them immediately

People often complain that even after giving fertilizer and water, the plants are wilting again and again. Yes, if you are also facing such a problem these days, then this article is for you. Here we will tell you some such mistakes which unknowingly work to put a brake on the growth of your plant. Taking care of plants is not easy for everyone. Many people damage the plants due to lack of information. When there is no difference in growth even after giving fertilizer and water, then one should be alert. Are the plants in your home garden or balcony wilting even after your lakhs of efforts? You gave them fertilizer at the right time, also gave water, but still they do not see that greenery and shine? If your answer is 'yes', then definitely read this article once. Actually, often we make some such small mistakes (Gardening Mistakes) in the care of plants, which we ourselves do not know. These mistakes slowly take the life of our plants. Let's know about those 5 big mistakes, by correcting which you can make your plants green and healthy again. Overwatering is the most common mistake that new gardeners often make. We think that by watering more, the plants will grow faster, but this is a big misconception. The roots of the plants need air to breathe. By watering more, water accumulates in the pot, which stops the circulation of air in the soil. As a result, the roots do not get oxygen and they start rotting. This is just like closing the nose and mouth of a person. What to do: Always touch the soil with a finger before watering. If the soil feels dry up to 2-3 inches, then only water. Also, there must be a hole at the bottom of the pot so that the extra water can easily flow out. Keeping it in the wrong place: Every plant has its own different needs. Some plants need direct and strong sunlight throughout the day, such as rose and aloe vera, while some plants like mild sunlight or only morning sunlight, such as money plant and snake plant. If you keep a shade plant in direct sunlight, its leaves will burn and it will wilt. On the other hand, if a sunlight-loving plant is kept in the dark, it will become weak and wilt. What to do: Understand the type of your plant. You can easily find out on Google how much sunlight your plant needs. Change the place of the plant if you see it wilting. Size of the pot It is very important to choose a pot according to the size of the plant. If your plant is growing and its roots are spreading, but the pot is small, then the roots will not be able to develop fully. Due to this, the plant will not be able to get proper nutrition from the soil and its growth will stop. What to do: When you feel that your plant has grown bigger than the pot, then shift it to a bigger pot. This work is very important for the growth of the plants. Right quality of soil Right soil is not just soil for plants, it is their food. If the soil is low in nutrients or is not able to absorb water properly, the plant will never be healthy. Hard and clayey soils tend to retain water, while very sandy soils do not retain water at all. What to do: Always use good quality soil. You can also make a soil mixture at home. For this, mix normal soil, cow dung manure or vermicompost and cocopeat in equal quantities. Wrong use of fertilizer Manure acts as nutrition for plants, but its excessive use can burn plants. Too much chemical fertilizer disturbs the pH balance of the soil and damages the roots. What to do: It is best to use natural fertilizers like cow dung manure, compost or vermicompost. Always apply fertilizer in balanced quantities. Applying fertilizer once or twice a month is sufficient. Size of pot It is very important to choose the pot according to the size of the plant. If your plant is growing and its roots are spreading, but the pot is small, then the roots will not be able to develop fully. Due to this, the plant will not get the right nutrition from the soil and its growth will stop. What to do: When you feel that your plant has grown bigger than the pot, then shift it to a bigger pot. This work is very important for the growth of plants. Right quality of soil The right soil for plants is not just soil, but their food. If the soil has less nutrients or it is not able to absorb water properly, then the plant will never be healthy. Water gets accumulated in hard and clay soil, whereas water does not stay in very sandy soil. What to do: Always use good quality soil. You can also make a soil mixture at home. For this, mix normal soil, cow dung manure or vermicompost and coco peat in equal quantities. Wrong use of fertilizer Fertilizer works as nutrition for plants, but its excessive use can burn the plants. Too much chemical fertilizer disturbs the pH balance of the soil and damages the roots. What to do: It is best to use natural fertilizers like cow dung manure, compost or vermicompost. Always apply fertilizers in balanced quantities. Applying fertilizers once or twice a month is sufficient.

When the body starts giving these 5 signs, then understand that you are taking more sugar than required; it can be harmful for health

From morning tea to dessert after dinner, if your life includes more than required amount of sweets, then be careful! Let us tell you that the body itself starts giving you some signals when you eat too much sugar. Let us know in this article about such 5 signs (High Sugar Intake) by recognizing which you can save yourself from major diseases. Craving for sweets can be harmful for health. Taking too much sugar can cause acne and wrinkles on the skin. You can fix sugar intake by changing the diet. Nowadays sugar has increased so much in our diet that we ourselves do not even realize that we are feeding the body more sugar than it needs. In the beginning, this may seem trivial, but in the long run, this habit can become the cause of diseases like diabetes, heart problems and obesity. It is important that we recognize the body's signs (High Sugar Intake Symptoms) in time that warn us about sugar overdose. Let's find out. Frequent visits to the washroom and feeling thirsty If you have developed a habit of urinating frequently and also feel very thirsty, then this is a sign that the amount of sugar in the body is high. Actually, the kidney has to work harder to remove extra sugar and this is why one has to go to the washroom frequently. Feeling hungry all the time Sugar gives instant energy to the body, but its effect also ends just as quickly. The result is that the blood sugar suddenly drops and you start feeling hungry again and again. If you feel hungry all the time without any reason, then this could be a warning. Difficulty in focusing Consuming too much sugar also affects the brain. Due to the constant ups and downs in blood sugar, it becomes difficult to focus and the mind feels blurred. This is called 'brain fog'. Skin changes If dark spots, skin tags or pigmentation start appearing near your neck or armpits, then it can also be a sign that there is excess sugar in the body. These changes in the skin are related to insulin resistance. Fatigue and lethargy Eating too much sugar will make you feel energetic initially, but after some time, that energy starts dropping and you start feeling tired and lethargic. This is a common but ignored sign. What to do? If you are noticing many of these symptoms, then it is best to consult a doctor and get a fasting insulin test or HbA1c test done. The good news is that sugar can be controlled naturally by just making small changes in the lifestyle like a balanced diet, regular exercise and getting enough sleep.

'I smoke cigarettes and drink alcohol...', Gadar 2 actress Ameesha Patel taunts star kids, tells why her films are not successful?

Ameesha Patel is one of the popular actresses of the 2000s. She created a stir with her innocence as soon as she came on screen. Recently, Ameesha Patel told whether it is necessary to be a part of a camp to maintain your place in Bollywood or not, apart from this, she did not hold back from taunting today's star kids. Ameesha Patel taunted Suhana-Ibrahim? Ameesha Patel told why her films are flopping Ameesha said this about joining Bollywood camp Ameesha Patel, who entered the world of acting with the film Kaho Naa Pyar Hai opposite Hrithik Roshan, was very popular in Bollywood in 2000. She worked with big stars in many big films from Gadar: Ek Prem Katha to Humraaz and Mangal Pandey. Recently Amisha Patel told whether it is necessary for a star to be a part of any camp or not. Along with this, the actress who rocked the box office as Sakina in Gadar 2, also took a dig at today's generation of actors. Is it necessary to be a part of any camp in Bollywood or not? According to the reports of the correspondent from Mumbai, many actors have said that going to film parties or being a part of a camp helps in getting work. However, Gadar 2 actress Amisha Patel believes that the audience does not care which camp you belong to. "As soon as I came into films, I got films like Kaho Naa Pyar Hai, Gadar, Humraaz, Bhool Bhulaiyaa. I have worked with Ajay Devgan, Salman Khan, Sanjay Dutt, Aamir Khan and many big producers and directors. Every time the audience loved me. This is what is important, not whether you belong to any camp. I was not from any camp because I did not smoke, did not drink, did not try to fool anyone for work. The work I got was due to my talent. Many people did not like me. They felt bad that you deserve a role more than anyone else, but they don't give it to you because you don't party. Well, I am happy because I did not want to become that". Star kids from Suhana to Khushi were taunted? Today's star kids are following the rules of this industry, go to parties, are part of camps, but if you look at the box office success of their films, it becomes clear that all these things are not helping them. There are many star kids whose films are not even being released in theatres. They have to release their films on OTT. The audience does not care whether you belong to any camp or not, they just want you to do good work. Let us tell you that stars like Suhana Khan, Ibrahim Ali, Khushi Kapoor left the big screen and made their debut on the OTT platform.

The Conjuring 4 surpassed Baaghi 4-The Bengal Files, made a great earning on Sunday

The Conjuring Last Rites Collection The magic of Hollywood horror film The Conjuring Last Rites is so strong in India that it has surpassed Baaghi 4 and The Bengal Files. Know here how much this horror movie has collected in 10 days. The Conjuring 4 captured the box office The Conjuring made a great collection in 11 days The Conjuring surpassed Baaghi 4 in India There is no doubt that Hollywood films have a tremendous craze in India. Be it Mission Impossible or superhero films... Hollywood films have always made great earnings in India. These days The Conjuring Last Rites is also doing something similar. This film has created a stir within 10 days. So far, three films of The Conjuring franchise have been released and all have earned well. The last and fourth film of the franchise, The Conjuring Last Rights, was released on 5 September 2025. The film may have received mixed response from critics and audiences, but it is making a splash in terms of earnings. This film has also left behind Baaghi 4 and The Bengal Files. The Conjuring roared at the box office The Conjuring 4 was released in Indian theaters along with Bollywood movies The Bengal Files and Baaghi 4. This film had a great opening on the first day, its earnings were tremendous on the 10th day as well. According to SacNilk, on the second Sunday i.e. on the 10th day, The Conjuring has done a business of around Rs 3 crore. The earnings from English were Rs 1.49 crore, while the film's collection from Hindi was Rs 1.5 crore. The total collection of the film has become Rs 75.31 crores in India alone and worldwide this number is Rs 2625 crores. Sunday was also a great opportunity for Baaghi 4 and The Bengal Files, as no big film was released in theatres last week. But both the films failed to beat The Conjuring. While the Sunday earnings of Baaghi 4 were Rs 2.15 crores, The Bengal Files did a business of Rs 1.1 crore on the 19th day. The lifetime collection of Baaghi 4 at the domestic box office has not crossed 50 crores and The Bengal Files is still at Rs 14.16 crores.

Oh God, what happened! The math of Baaghi 4 suddenly changed on Monday, so many crores came into the account

Baaghi 4 had a decent start at the box office. The movie clashed with Vivek Agnihotri's film The Bengal Files. It has been 11 days since this film was released in theaters at the box office. The movie, which did great business till Sunday, was toppled on Monday. How far is Baaghi 4 from recovering its budget? Let's knowBaaghi 4's equation changed on Monday. The film is just this far from recovering the budget. Will Tiger Shroff's movie be a hit? If any film has proved to be a milestone for Tiger Shroff, who started his acting career with Heropanti, then it is the Baaghi franchise. So far four parts of this film have been released, in which Tiger has done explosive action by becoming Ronnie. Its fourth part has been released in theaters on 5 September this month, in which this time villain Sanjay Dutt, Sonam Bajwa and 2021 Miss Universe Harnaaz Sandhu were seen with him. Let's find out how many crores did this film, which started with 12 crores at the box office, earn on the 11th day and how far is Baaghi 4 from recovering its budget. Baaghi 4 earned this many crores on Monday Critics did not like the story of Tiger Shroff and Sanjay Dutt starrer Baaghi 4 very much. Many people were calling the movie a mixture of Animal Movie and Ghajini. Despite the weak story, the film kept its hold strong at the box office. The Monday box office result of this film, which did a business of 2.15 crores on Sunday, is going to surprise you completely. According to reports of Sacanlic.com, this film, produced by Sajid Nadiadwala, earned only 74 lakhs on Monday, the 11th day, in a single day. The collection of the film at the domestic box office has been up to 50.39 crores net. Worldwide 69.5 crores India net 50.39 crores India gross 59.25 crores Overseas 10.25 crores Single day 74 lakhs How many crores' budget is the movie Baaghi made in? The budget of Baaghi 4, which has crossed the 50 crores mark at the domestic box office in 11 days, is around 80 crores and according to reports, the movie has recovered up to 69.7% of its cost. Talking about the worldwide collection of Tiger Shroff's film, the movie has done business of up to 69.5 crores. So far, the film has earned up to 10.25 crores in the overseas market. If this film, made in a budget of 80 crores, has to be included in the hit list of 2025, then it will still have to earn 12 crores, which can be a bit difficult, because Akshay Kumar is bringing Jolly LLB 3 with Arshad Warsi on September 19.